

राजा

कॉमिक्स  
विशेषांक

संख्या 01

# नानाराज और सुपरकमांडी ध्रुव



इस कॉमिक्स  
के साथ एक  
आकर्षक स्टीकर

# गाराज

## और

# शुपर कमांडो ध्रुव

लेखक: संजय गुप्ता

सम्पादन: मनोष चंद्र गुप्ता

कलानिर्देशन: प्रताप मुकुल

रिट्रैट: उंद्र  
चुलेश्वर: पात्रवाला कर्मचारी

भास्त! शहर राजनगर!

राजनगर के चापे-चापे पर हज दिनों होर्डिंग, बैलर व  
पोस्टर... युद्ध-स्तर पर लगे दिसाई पड़ रहे थे—

SPECTACULAR-MEET-91

आहए! निमिए!  
अपने सुपर हीरोज  
से! दोस्तीए एक साथ!  
सुपर कमांडो ध्रुव!  
गगन मोटी!  
परमाणु चार्डिका!  
विनाशक देते! सुपर  
कमांडो फौर्स! और...  
नो गाराज  
राजनगर स्टेडियम में।  
हॉटस्टेशन व चूल्हा कलाल  
के सीजाव्य से!





लोगों में इस प्रचार का जबसदस्त 'फ्रेज' बनने लगा—

शहर से बाहर के कुछ अन्य कुस्तियां लोगों में से एक जोड़ी स्थूबसूरत निगाहें भी इस 'स्पेक्ट्राकुलर मीट-१' के विज्ञापन पर लगी थीं—



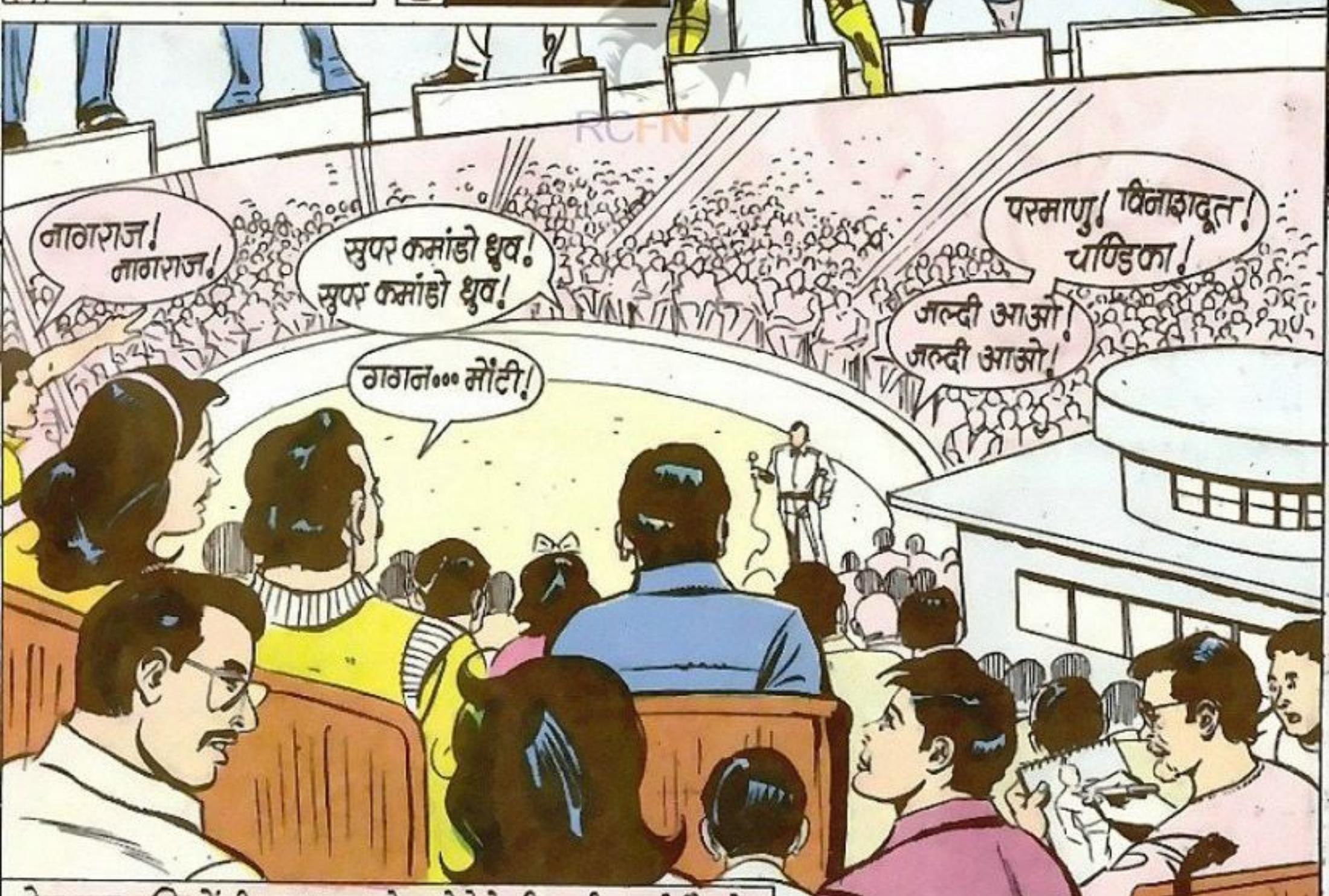
यह थी उपराय की दूनिया की  
सबसे बेस हिरोइनों तर्फ मिस  
फिल्म -



ऐसा शानदार मौका  
वाल्ही बार-बार नहीं  
आयेगा! हा हा हा!



निश्चित विजय समय पर 'शजनगर स्टेडियम' सुपर  
द्वारितों के प्रशंसकों से स्वचालन भरा हुआ था—



लोग सुपर द्वारितों की एक छल्क देते लेने के लिए बुरी तरह बेचीन थे।

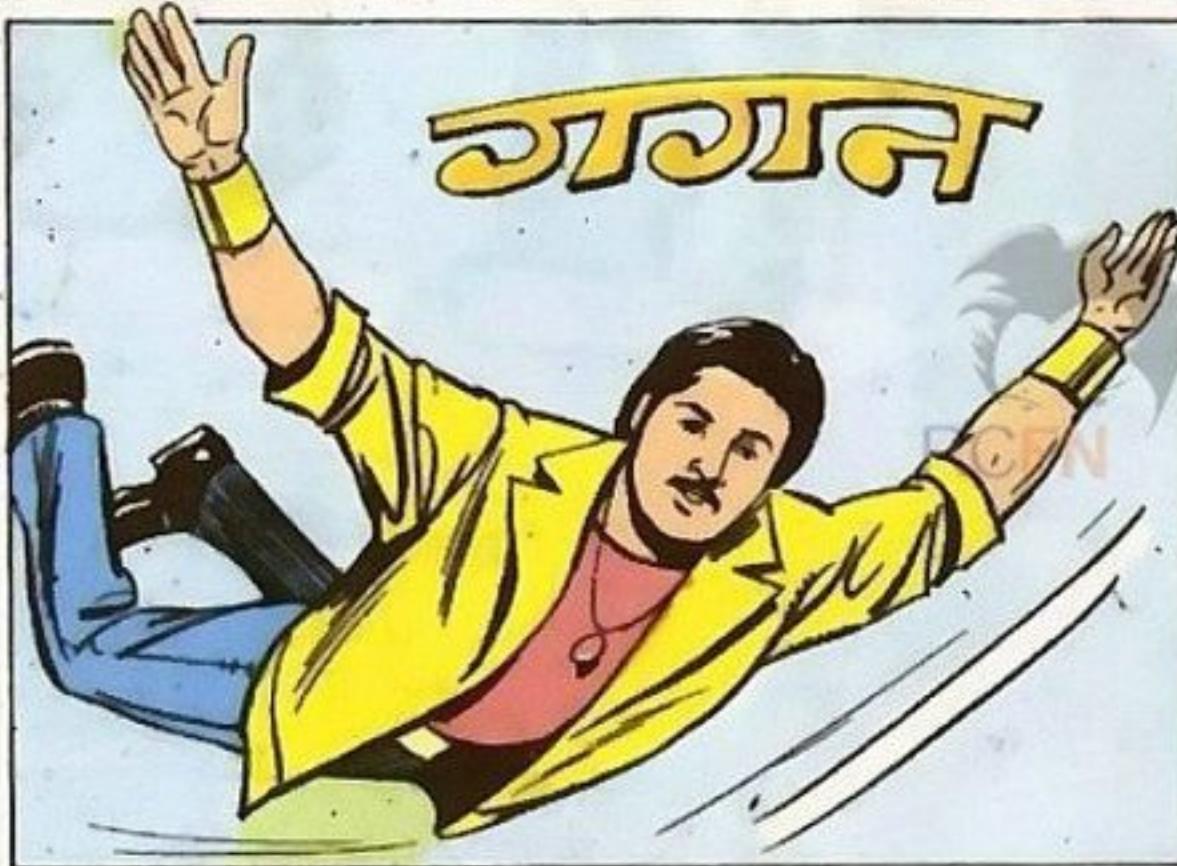
और उदयोषक की इस घोषणा के साथ -

दोस्तो! हंतजार  
की घड़ियां खत्म हुईं।  
अब दिल धाम भी जाए।  
दास्तिए।

राज कॉमिक्स

सारे स्टेडियम में झोर मच गया -

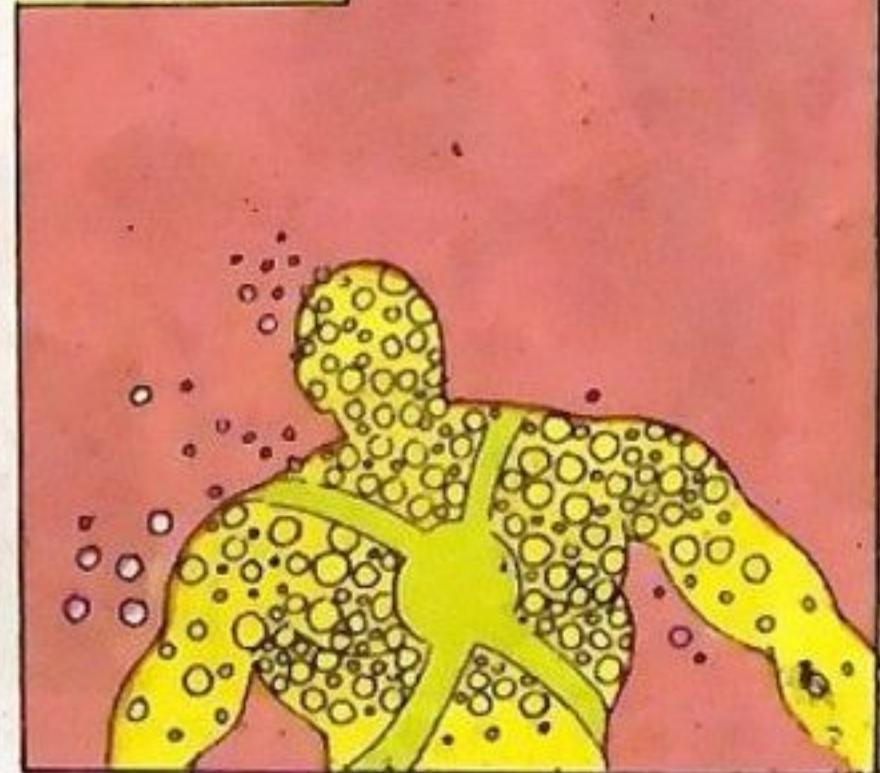
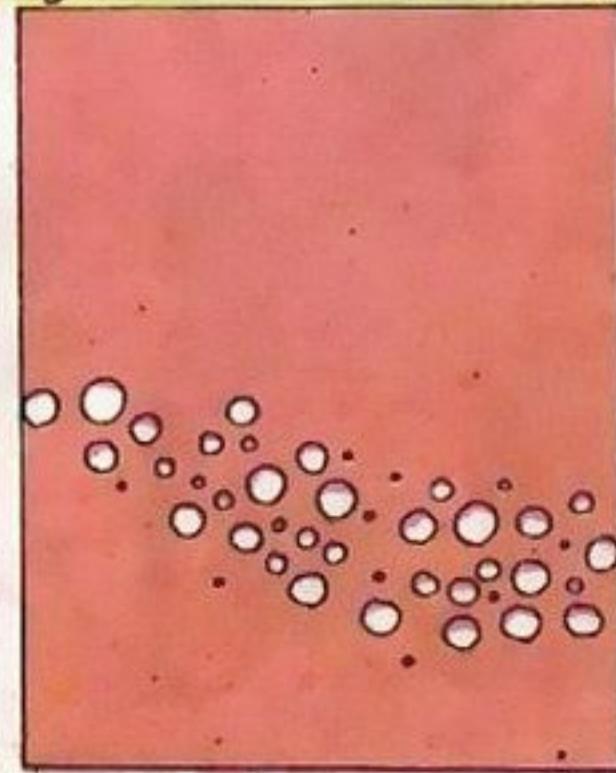
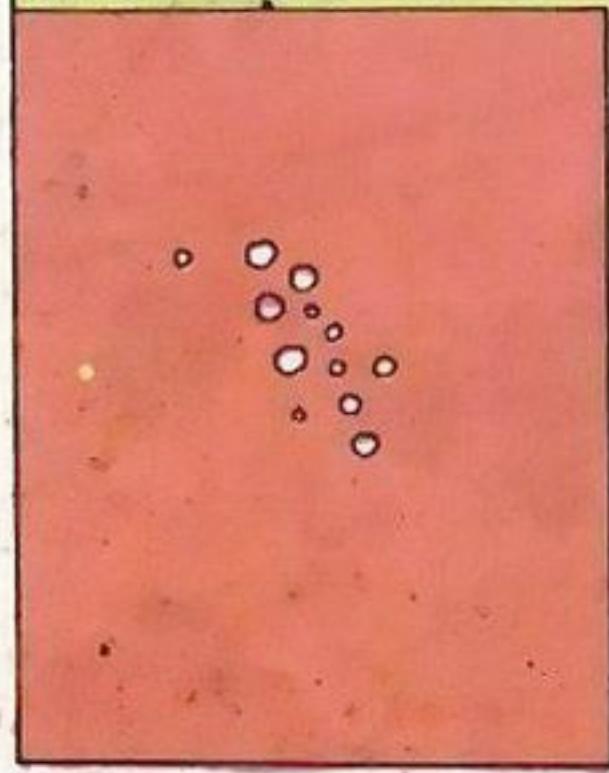
सुपर फैंटास्टिक सुपर मानव!



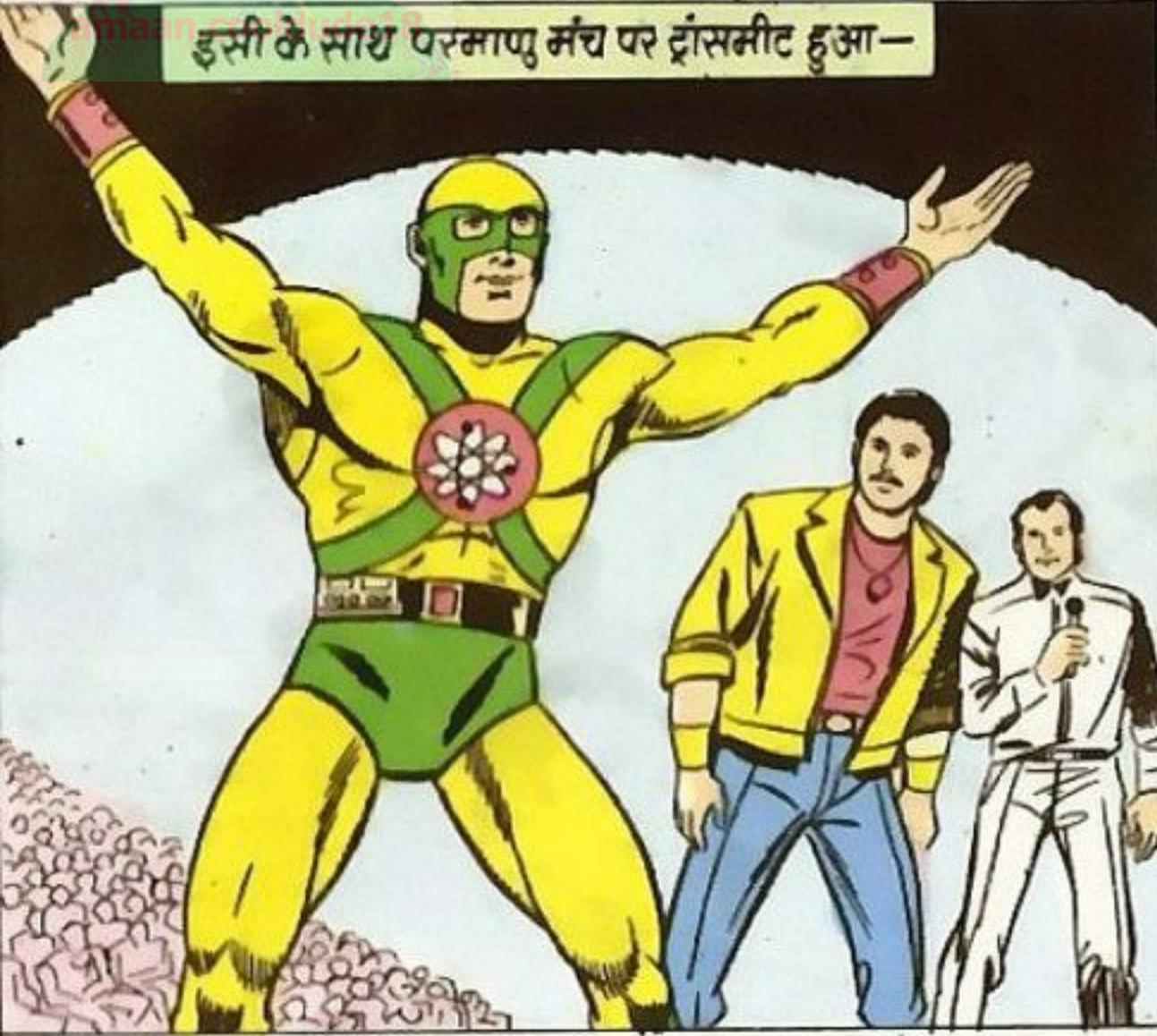
गगन के मंच पर उतरते ही सारा स्टेडियम तालियों  
से गूंज उठा -



तालियों की गूंज अभी समाप्त भी न हुई थी कि मंच की ओर उठी निगाहें मौर्चलकी हो उठीं -



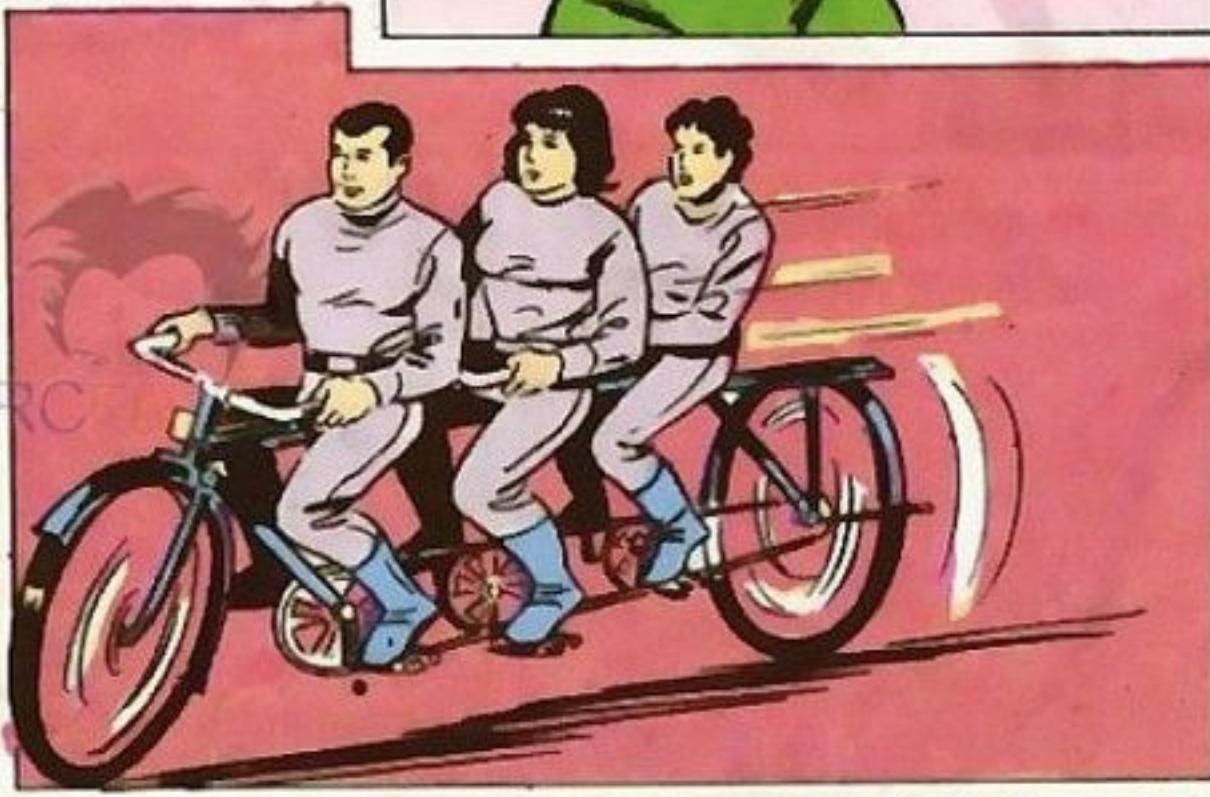
इसी के साथ परमाणु मैच पर ट्रांसमीट हुआ—



शोर मचा गया—

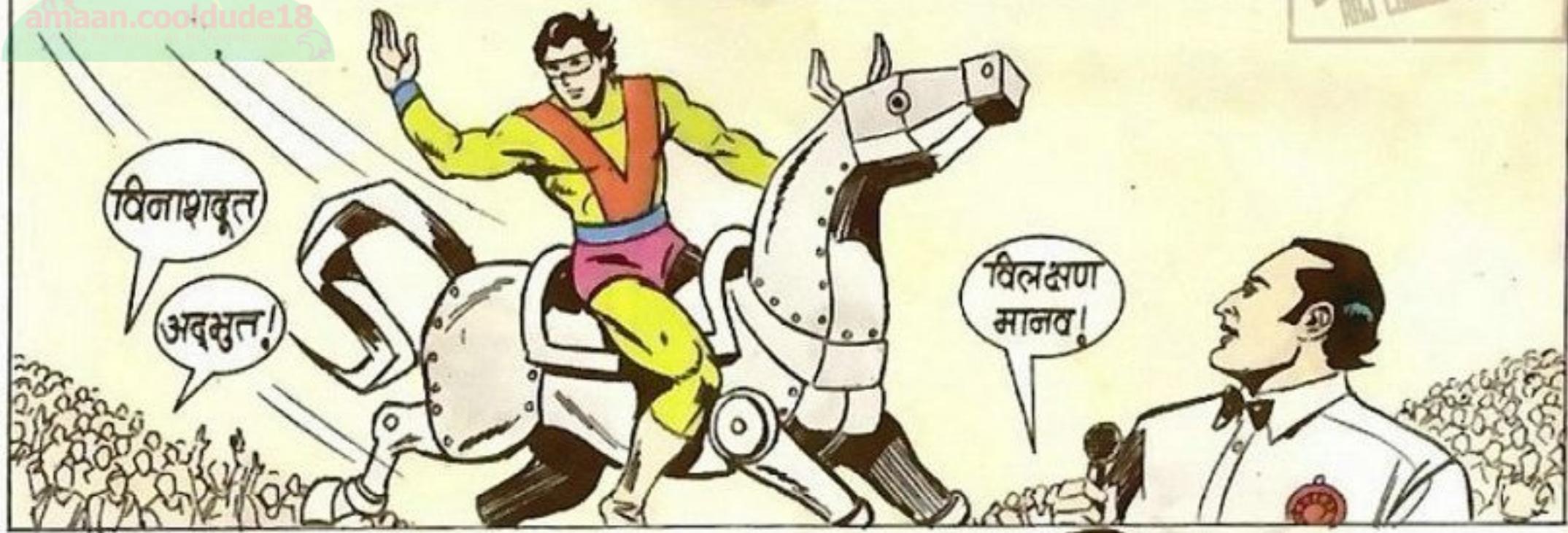


इसी के साथ सबकी निगाहें उठ गई स्टेडियम के द्वार की ओर—



तीक इसी पल स्टेडियम में गूज उठी किसी मशीनी होड़े की आवाज—



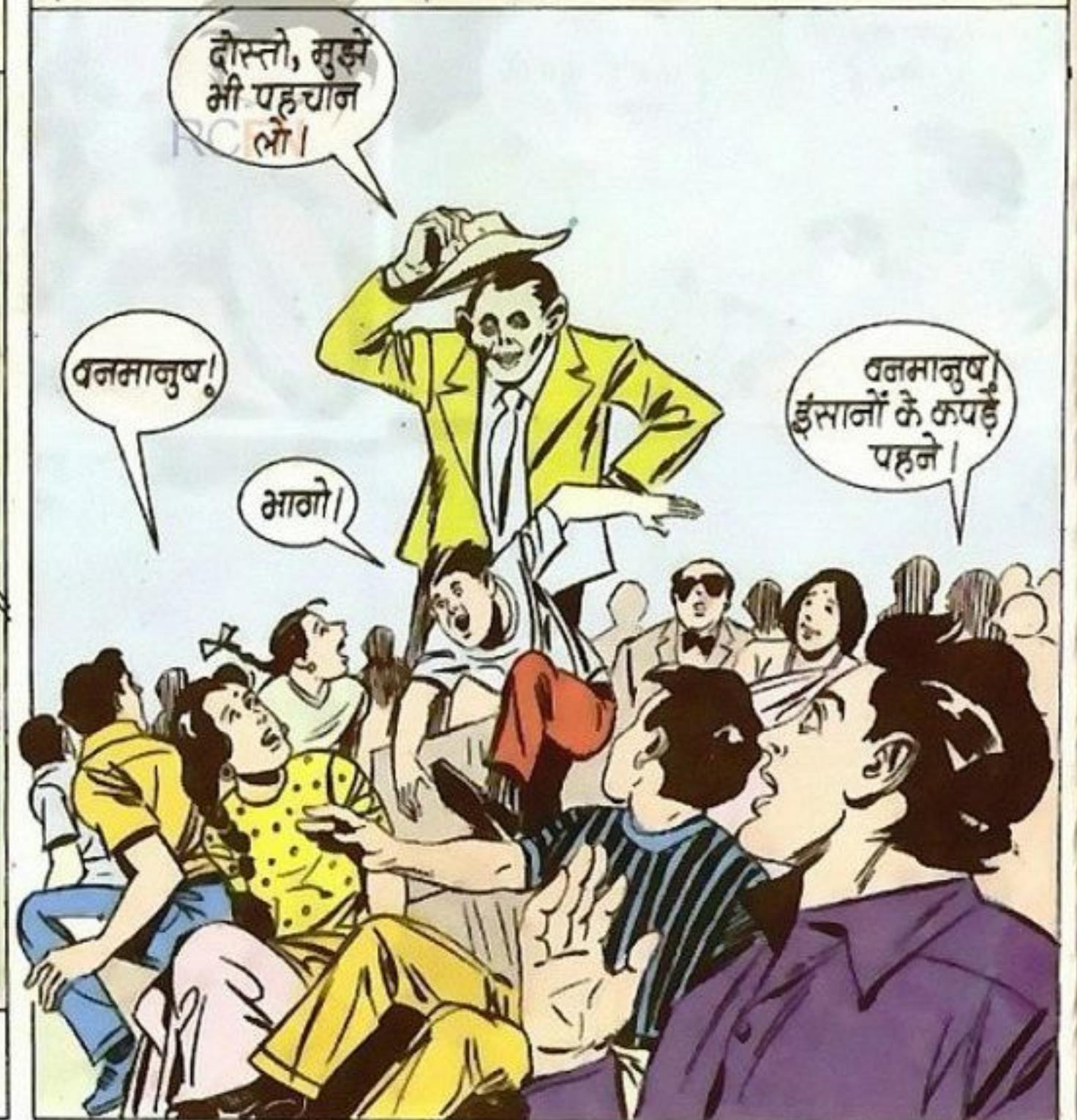


तोप की जली से गोले की जगह पुष्प-रथ के साथ निकली चाढ़िका—



आखर्यत रोमांचके कारण दशियों के मुँह से चीर्सें निकल गईं।

इधर दशियों के बीच उपस्थित हस विशेष दशिक ने जब अपने सिर से कैप हटाया—



माइक पर हँसी के साथ गगन का स्वर गूंज उठा—

दोस्तो! आप जिसे  
देखकर मंहभीत हो रहे  
हैं, उनमें से एक है।

मोंटी

मोंटी

मोंटी! उफ! कैसे-कैसे  
विचित्र सुपर हीरोज का  
जमघटलग रहा है।

मोंटी के बल द्वारा की भाषा जानता है।

गगन, परमाणु, सुपर कमांडो फोर्स, चार्डिका और  
विजाशादूत! सभी मंच पर उपास्थित थे—

जो जाने ये दोनों कब और  
किस प्रकार पहुंचेंगे मंच

विजाशादूत

तक?

सुपर कमांडो धूर...

और अब दूरकों को बड़ी व्यवस्था के साथ जिन  
सुपर शक्तियों का इंतजार था, वे थे नागराज  
और धूर! सारा स्टेडियम नागराज और धूर के  
बीच से गूंज रहा था—

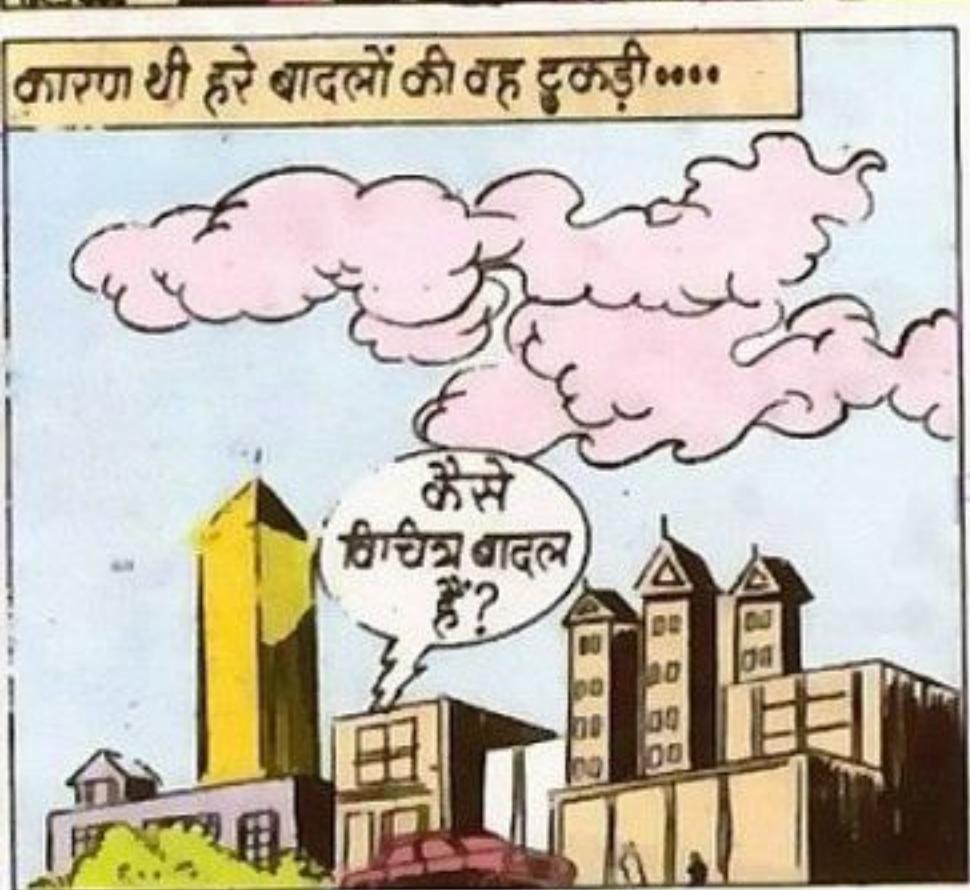
सुपर कमांडो धूर !..



स्टेडियम से बीस किलोमीटर दूर सुपर कमांडो धूर  
अपनी मोटर साइकिल पर—

बीस किलोमीटर  
की दूरी मुझे दस मिनट में तय  
करनी है तरना में उत्तराधिक ही  
लेट हो जाऊँगा।





जिस किलर की स्वनस्त्रनाती आवाज गूंज उठी—

मैं उगापसे केरल

इतना कहने आई हूं कि ये हैं दल  
उछ से पन्द्रह मिनट बाद राजनगर में  
तेजाब की छाँसिश धुल कर देंगे....



इसी के साथ वह महान आश्चर्य वहां से गायब हो गया।

जिस किलर की छोषणा का तुरन्त ही उसर हुआ। सड़कों पर भगदड़ मच गई—

भागो! तेजाब की छाँसिश होने वाली हैं।

हरे बादलों से गिरेगी तेजाबी वर्षा।



सुपर कमांडो धूप! जिसके दिलो-दिमाग से निकल चुकी थी स्टेडियम पहुंचने की बात—



छोषणा का तत्काल उसर हुआ, शहर में जैसे कर्ष्ण भग गया—



अचानक उस युवती की चीख से कर्ष्ण सावतावरण भंग हुआ—

म...मेरा बच्चा!



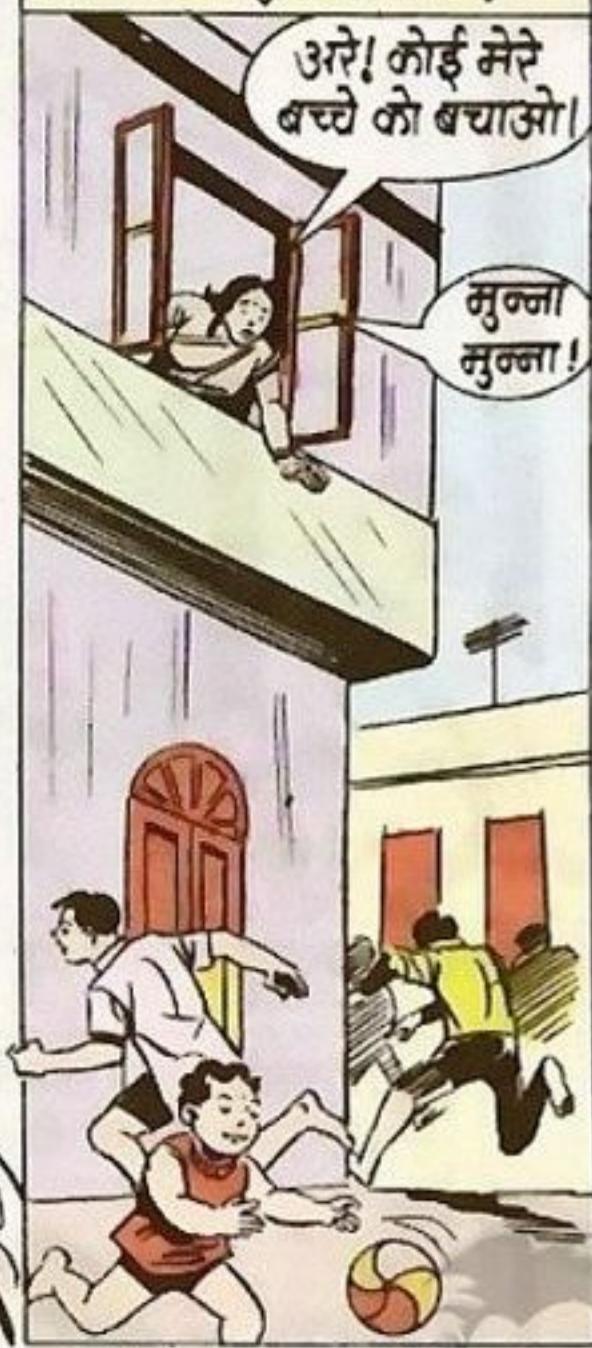
इसी पल बादलों में तीव्र  
गङ्गा हाहट हुई —

तेजाबी  
बारिश हीने गली  
है।

युवती उपर्युक्ती सम्पूर्ण शान्ति  
एकाभित कर पुनः चीख पड़ी—

अरे! कोई मेरे  
बच्चे को बचाओ।

मुन्ना  
मुन्ना!



तेजाबी बारिश आश्वस्त हो गई —



लेकिन इससे पूर्ण थी बारिश की मोटी-मोटी बूर्बुरें उस  
बच्चे तक पहुंच पातीं —



धूर बच्चे के साथ इमारत की तरफ  
जाएंगा —

उफ! इस  
बारिश से बच  
पाऊंगा या  
नहीं?

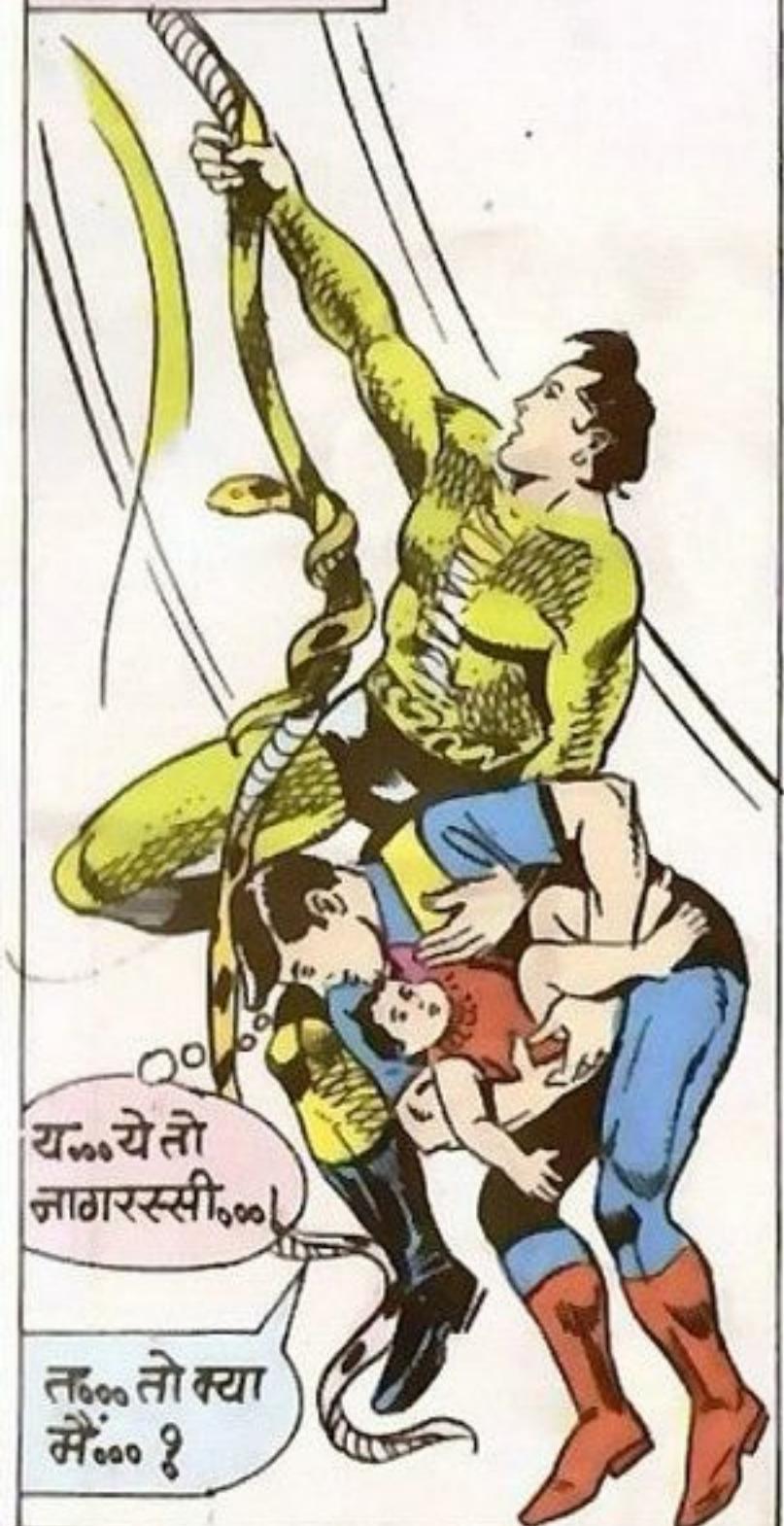
ठीक इसी पल —



धूर के शरीर को लगा एक तीव्र क्षटका —



पत्तक इयकते ही आश्वर्य के साथार में  
गौते लगाता श्रुत हवा में नागरस्सी पर  
झूल रहा था—



जागराज बागरस्सी पर झूलता हुआ  
सुरक्षित बाल्कनी तक जा पहुंचा—



जागराज...  
तुम यहां !

आश्वर्य न  
करो दोस्त ! मैं भी  
उसी मकसद से  
राजनगर आया हूँ ,  
जिसके लिये तुम  
राजनगर स्टेडियम  
जारहे थे ।



ओह, नामराज! अगर आज  
तुम ठीक वक्त पर न पहुंच  
जाते तो शायद मैं तेजाबी  
बारिश से इस बच्चे को  
न बचा पाता।



मेरे लिए तो तुम  
दोनों ही भगवान्  
का रूप बनकर  
आए हो ।

इधर। बारिश आरम्भ होते ही जो लोग गलत जगह को सुरक्षित समझ बैठे थे—



उफ! बारिश आरम्भ हो  
गई है। अगर मैं कार के  
कीचे शरण न लेता तो...



वह पहले लाश और फिर कंकाल में बदल गया—

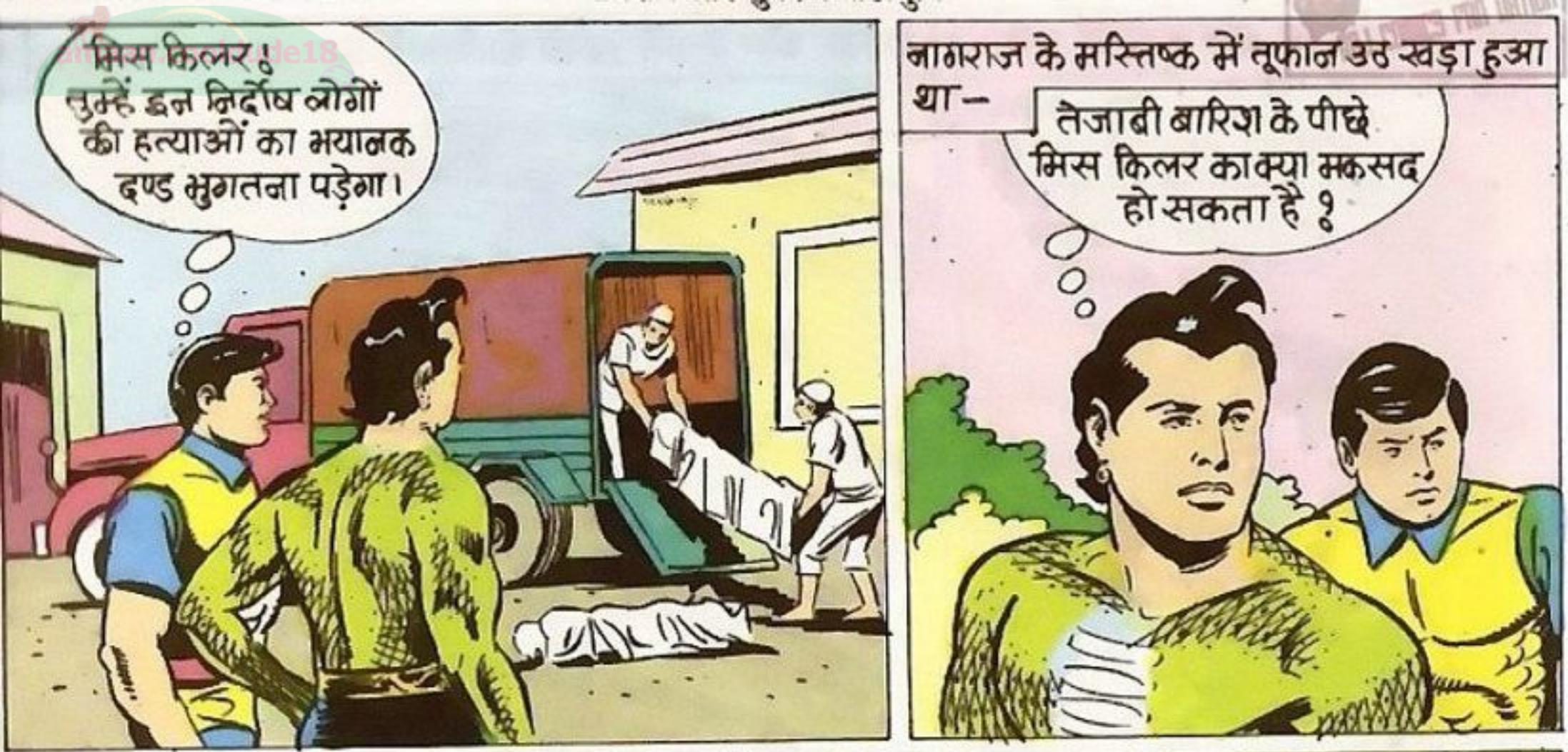


जागराज ध्रुव के साथ बाहर निकला—



इधर बारिश बन्द होते ही पुलिस- पम्पुलेंस हताहतों  
की तलाश में दौड़ पड़ी—



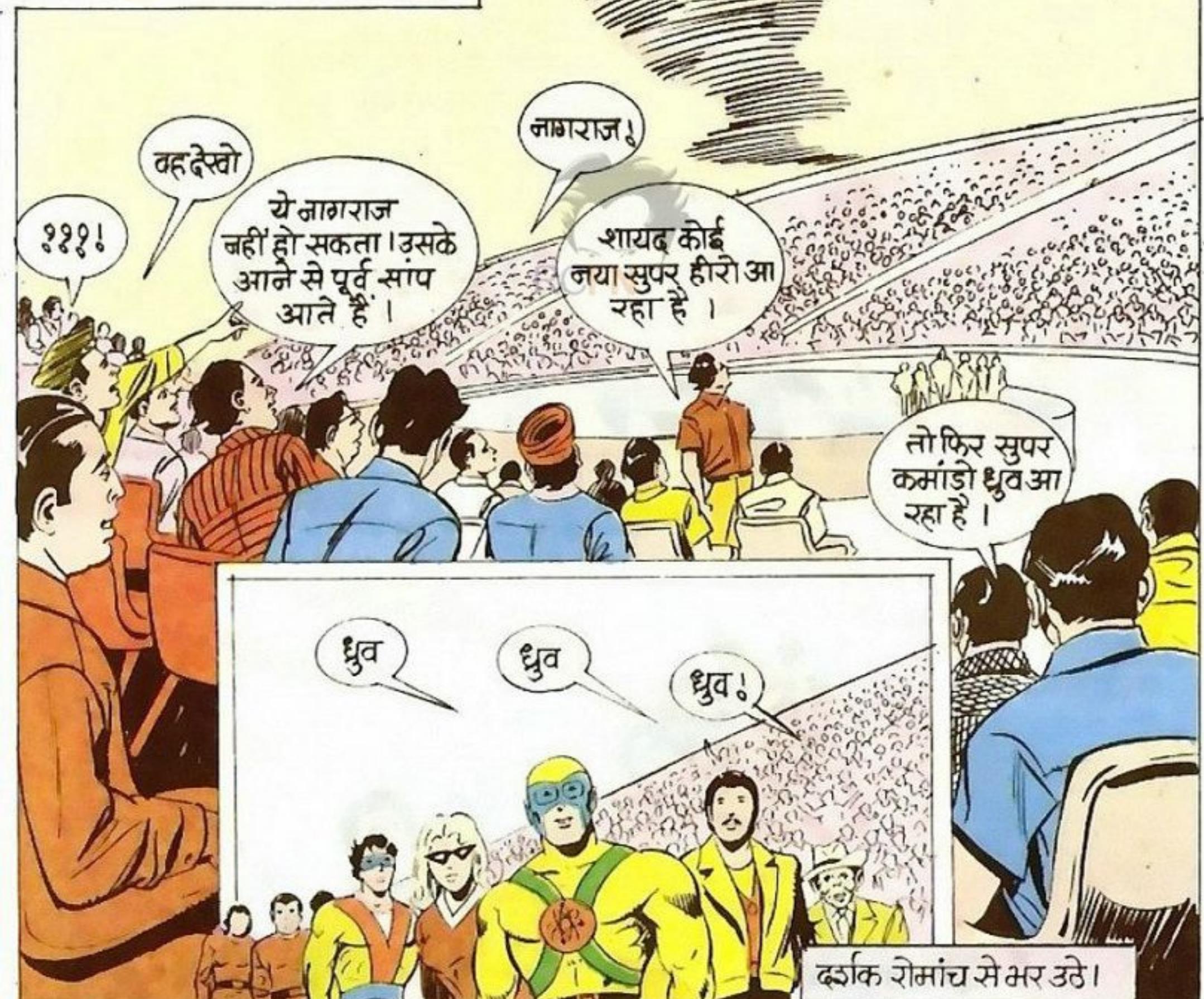
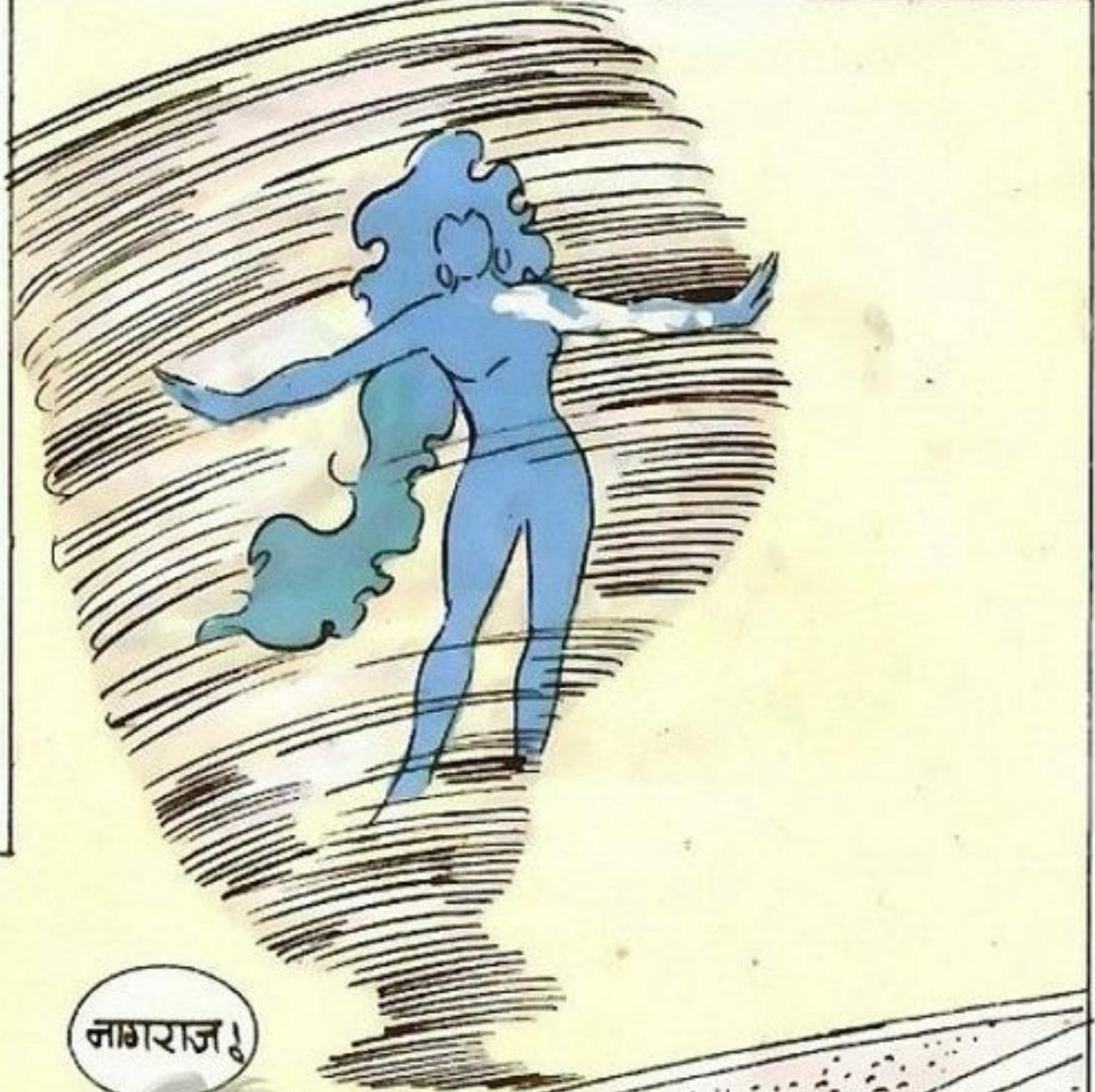


उद्घोषक दर्शकों को शांत करने में बुरी  
तरह असफल रहा -

उफ ! अगर

कुछ देर नागराज और ध्रुव  
और नआप तो स्टेडियम  
को बूचड़खाना बजाते  
देर न लगेगी ।

अचानक शोर मचाते दर्शकों की निगाहें आकाश की तरफ उठ गईं -





दशकों में स्वलबली मच गई—

सभी महाशक्तियों  
का अपहरण कर  
लिया मिस  
किलर ने।

मारो !  
मारो !

मारो ! ये हम  
पर भी कोई मुसीबत  
ढायेगी !

दीक इसी समय स्टेडियम में प्रवेश किया नागराज और  
धूव के—

नागराज ! मिस  
किलर यहां भी अपना  
गुल सिला चुकी  
लगती है।

मंच पर  
कोई दिखाई नहीं  
पड़ रहा।  
कहीं...

सहसा मिस किलर प्रकट हुई, और—

नागराज ! सुपर कमांडो छुव !

मैं तुम्हारे देश की  
सभी महाशक्तियों को  
अपने साथ ले जा  
रही हूँ ...

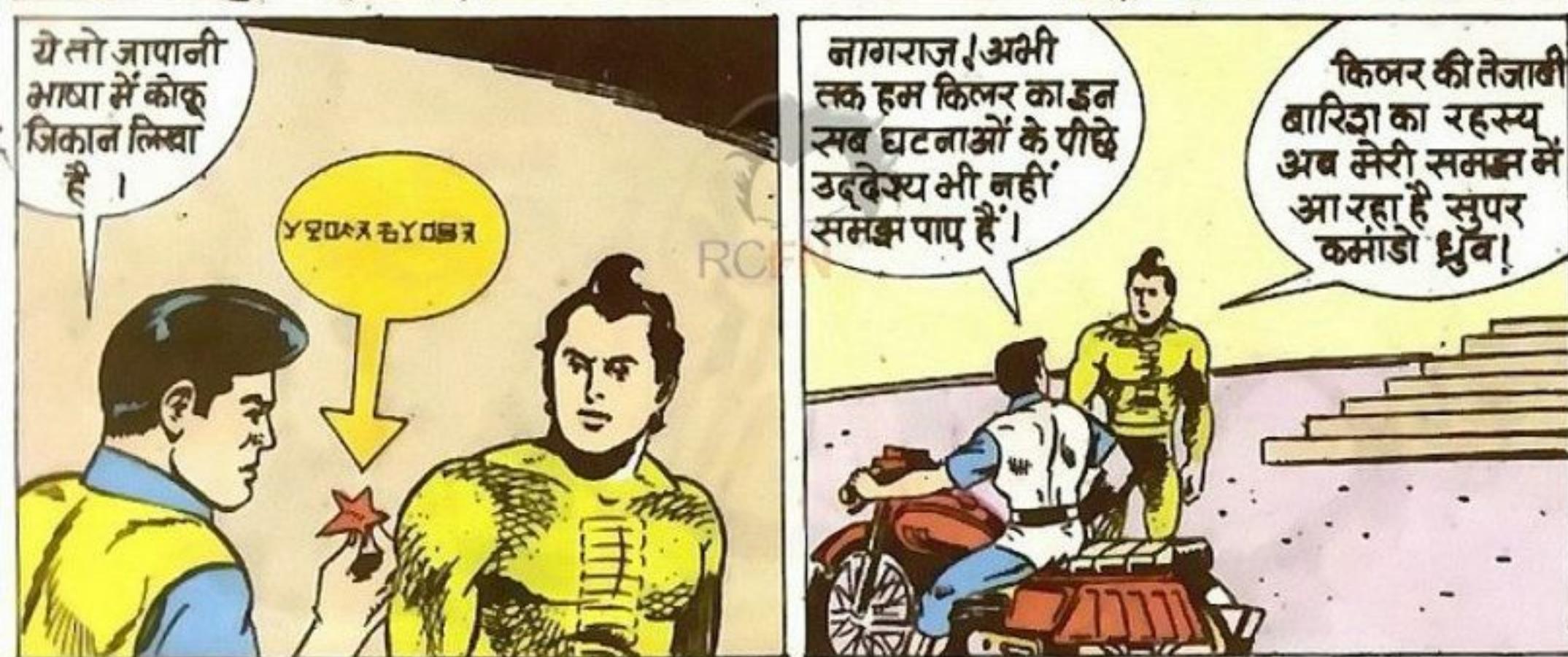
... और तुम्हें चेलेंज  
करती हूँ कि अपनी शक्तियों  
के बल पर तुम इन्हें मेरे  
किलरफोर्ट से छुड़ाकर  
दिखाओ।

?? ??

जाने से पहले मैं  
तुम्हें वह क्लयू दे जाऊँगी,  
जो तुम्हें किलर फोर्ट  
पहुँचाने में तुम्हारी  
मदद करेगा।

दूसी के साथ हवा में एक  
सितारा सबसनाया—





और फिर जापान एयरलाइन्स के एक हवाई जहाज ने भारत की धरती छोड़ी। उसमें सवार थे नागराज और धूर —

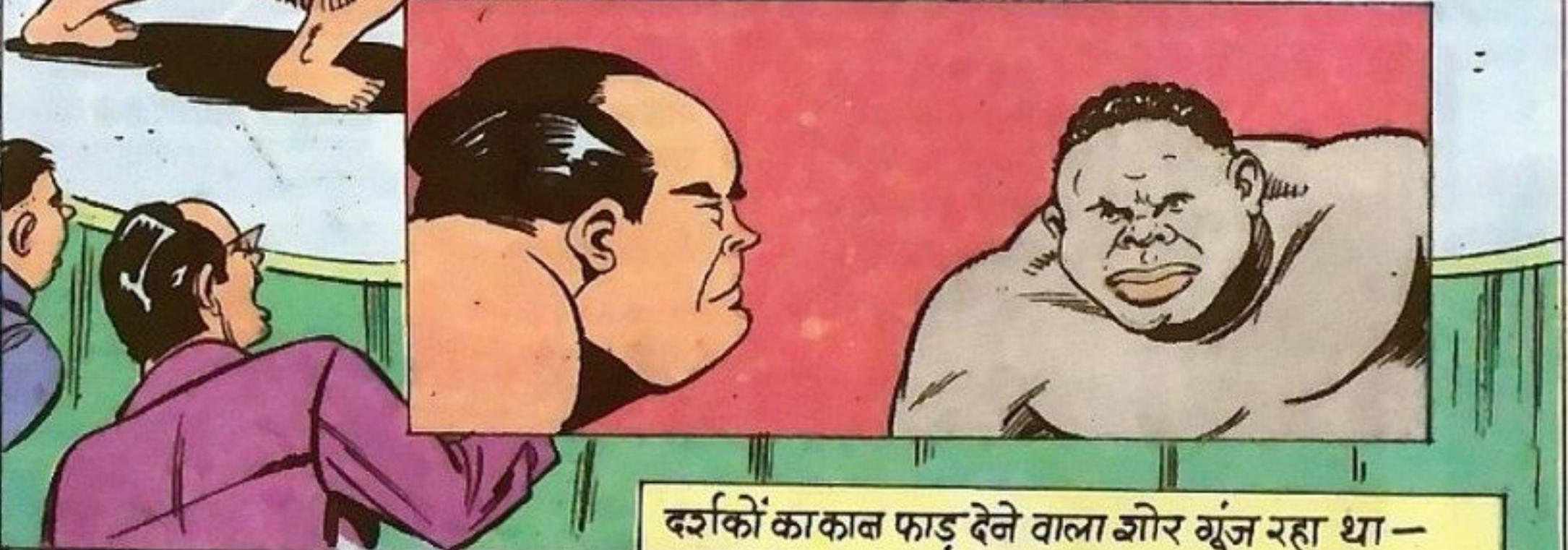
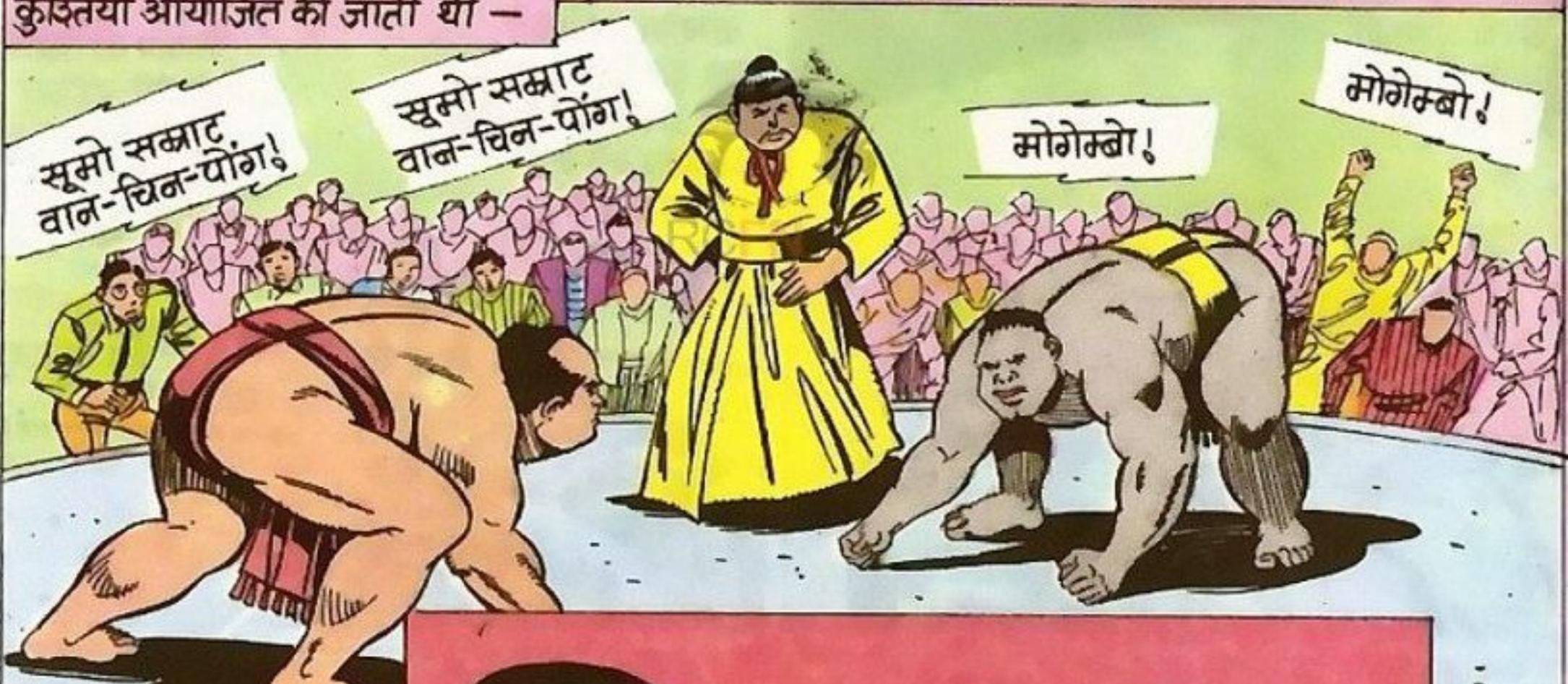


जापान की राजधानी टोकियो में - - कोकु जिकान स्टेडियम-

नागराज "कोकु जिकान"  
टोकियो का मशहूर स्टेडियम है,  
यहां पर भयंकर सूमोफाइट  
होती है। शायद यही  
हमारी मंजिल है।



सूमोफाइट क्लब। जहां पांच-पांच सौ किलो वजन तक के फाइटर्स की दिल दहला देने वाली फ्री-स्टाइल  
कुश्तियां आयोजित की जाती थीं —



दरकिं काकाल फाड़ देने वाला बोर गूंज रहा था —

रेफरी का स्कैट मिलते ही हाथियों की तरह विंगाड़ते हुए दोनों सूझो पहलवान आपस से टकरागए—



वाज-चिन-पोंग की उस भीषण टक्कर से मोरोरबो  
गड़े की तरह गरजता रिंग से बाहर उछला...

और दर्शकों में जहां वह गिरा, खलबली मच गई—



रेफरी ने उस फाड़ट का विजेता घोषित कर दिया—



सांस रोके हीव और नागराज भी उस सूमो-फाइट को देख रहे थे—

उफ्‌ नागराज !  
मोगेम्बो के नीचे छक्कर तीन व्यक्ति मर गए।

बहुत ब्लडाली पहलवान है यह।

नागराज ! अब ताक-चिन-पांग फाइट के लिए फिर किसी को चैलेंज कहकर आमंत्रित करेगा।

ओह यह क्रम तब तक जारी रहेगा, जब तक कोई भी फाइटर उसका चैलेंज स्वीकार करता रहेगा।



तभी नागराज की ओर देखकर दहाड़ उठा वान-चिन-पोंग—

**चैलेंज**

ओह ! ये मुझे चैलेंज कर रहा है।



नागराज की मांदा समझ हीव उछल पड़ा—

नागराज ! तुम्हारा सूमो फाइट ००० !

नागराज को चैलेंज की लड़ाई लड़ने में मजा आता है दोस्त !

नागराज रिंग में प्रवेश कर गया—

यह हिन्दुस्तानी तो मरेगा आज !



खचार्वच भग हॉल रोनांच से भरउगा-- जब नागराज ने कहा—

कुळे तुम्हारा चेलेंज  
स्वीकार है गन-चिन-  
पोंग!

सूमो सम्माट से  
भड़ेगा ये?

यह कौन  
है?

इसका  
दिमाग स्वराष हो  
गया है।

गन-चिन-पोंग  
इसकी चटनी बनाकर  
रस्त देगा।



फाइट से पहले  
अपना पता, परिचय  
दे देना।

ताकि तुम्हारी भाषा  
तुम्हारे हर पहुंचा दी  
जाए।

अपना  
परिचय मैं फाइट  
में बाहर तुम्हें  
दूँगा।

हहा हा

ऐफ्सी का सिव्वनल मिलते ही भारी शोर-शराबे के बीच नागराज  
व गन-चिन-पोंग आमने-सामने आ गए—

तुझे उठाकर फेंकूंगा  
तो जलब से बाहर जाकर  
गिरेगा।

इसकी पकड़ से  
बचना होगा।

सूमो सम्माट गन-चिन-पोंग नागराज पर हाप्ता—

अगर मैं इसके हाथ  
लग गया तो ये निसंदेह  
मेरी चटनी बना  
लालेगा।

आओह



नागराज ने उखलकर वार किया—

थड़

ओह!





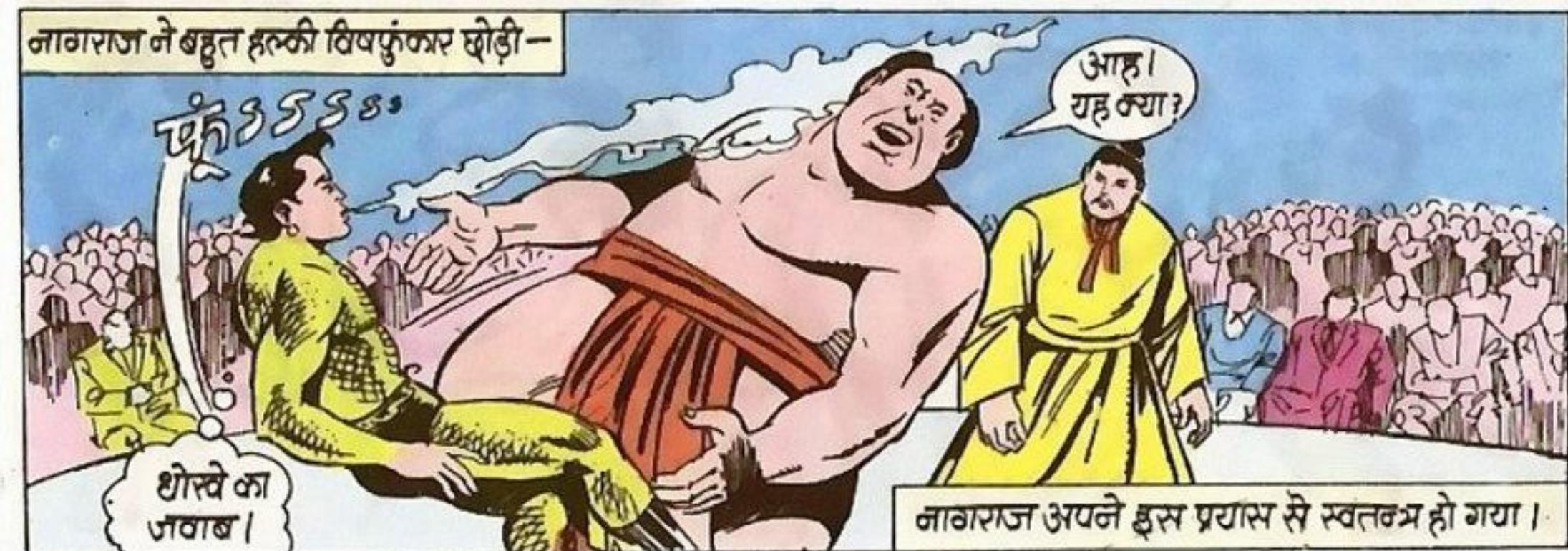
फिर वाज-चिन-योंग ने नागराज को ज़क़ह लिया—

हा हा हा ! अब  
मच्छर की तरह पीस  
डालूंगा तुझे ।

उफ !



वाज-चिन-योंग के गाल से रक्त की छार पूट निकली।

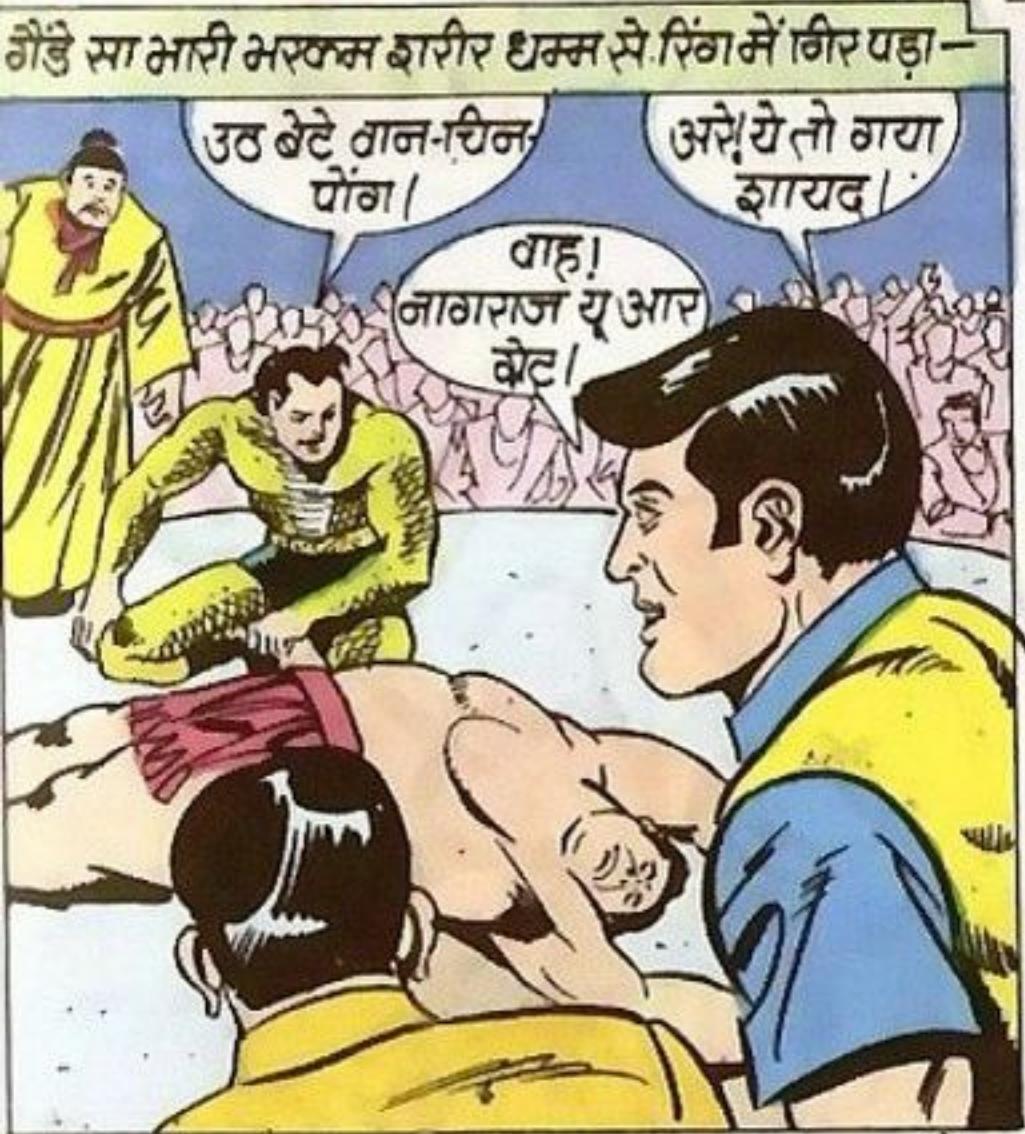


एक ३५५५५

आह !  
यह क्या ?

थोस्ट का  
जगह।

नागराज अपने इस प्रहास से स्वतंत्र हो गया ।



जागराज ने मिला चौपियन पुरस्कार -

मूर्मो चौपियन  
जागराज के हिंदू छिशेष  
पुरस्कार। मीस हिरोशीमा  
की तरफ से।

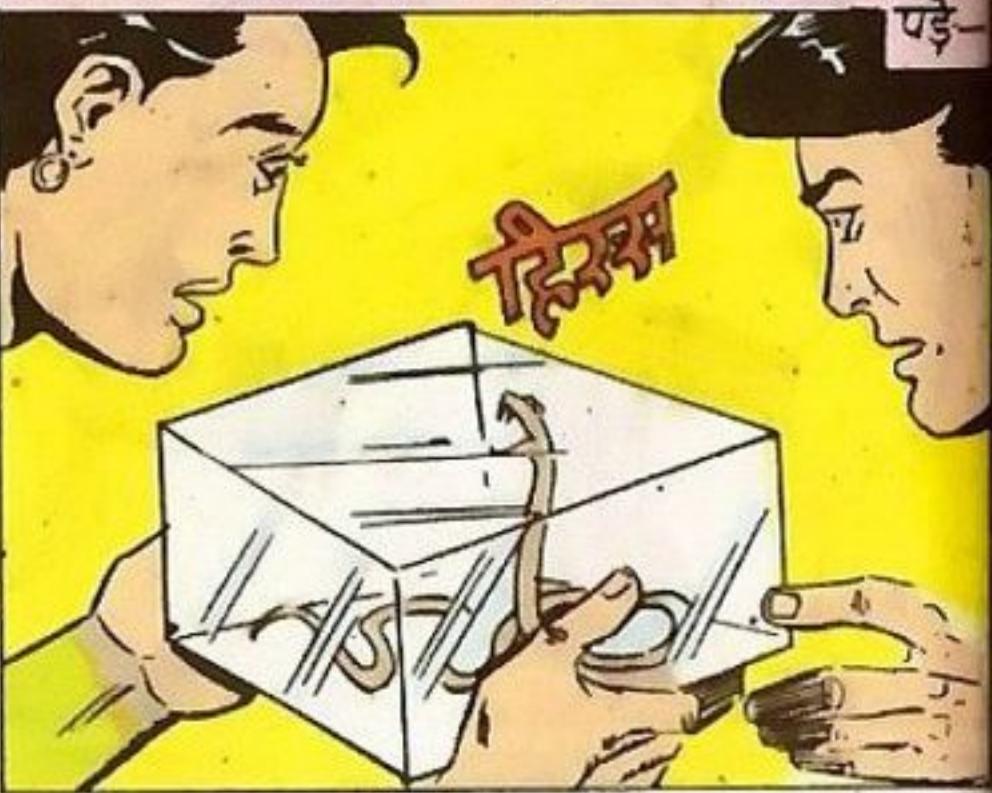
मेरे लिए ?  
ओह!



जागराज ने ईंकेट पर छढ़ा पेपर हटाया। नीचे दीशो  
के बाक्स के अन्दर रस्वी वस्तु को देखते ही दोनों उछल

पड़े-

हिंदू



जागराज ने बक्से को उल्टा किया -

जागराज!  
इसक्त्रव्यान्ततम्य  
है सकृता है?

ये बहुत स्वतर-  
जाक सांप हैं थुर!  
हम जाति का सांप  
जापान में ही इकोकू  
दीप में पाया जाता  
है।

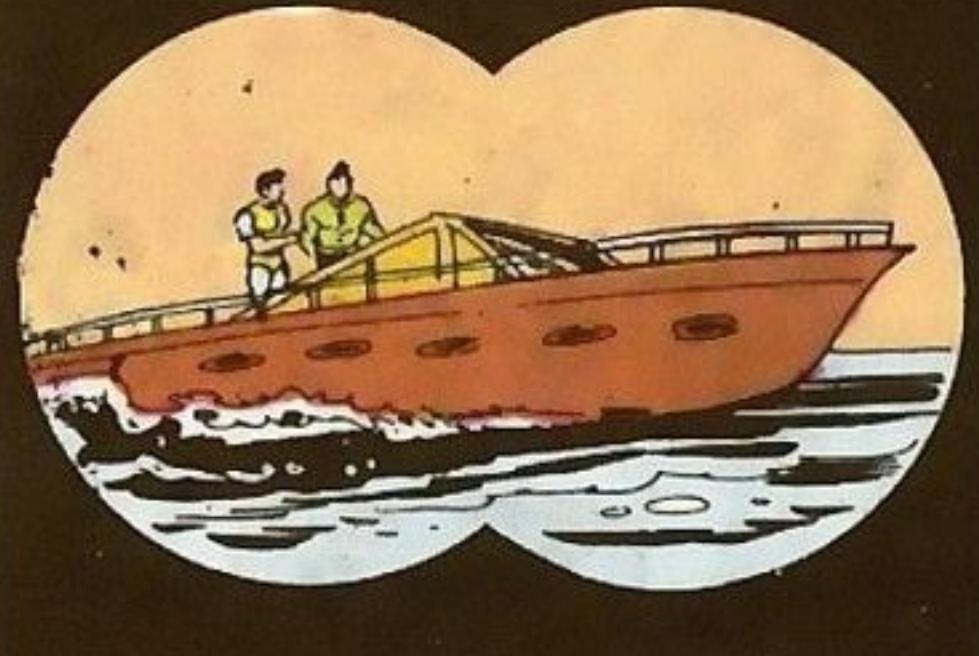


इस सांप के रूप में  
मीस हिरोशीमा यानी  
मीस किलर ने क्रमें  
दूसरा कल्प दिया है।

तुम बिल्कुल ठीक सोच  
रहे हो दोस्त! हमें अब इकोकू  
जाना होगा।



जागराज और थुर के सूनी सफर की शुरुआत  
हो चुकी थी -



सूनी सफर -

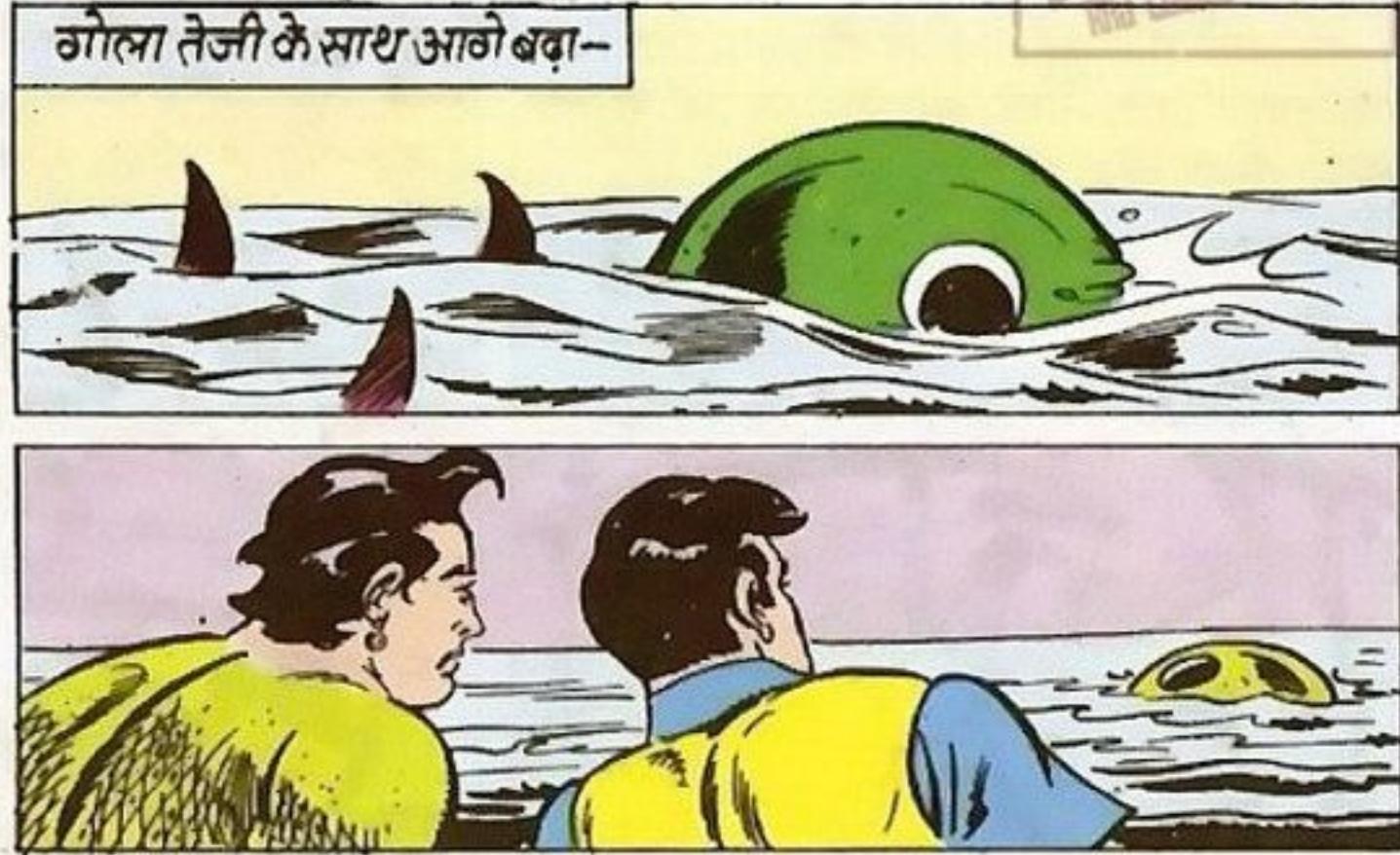
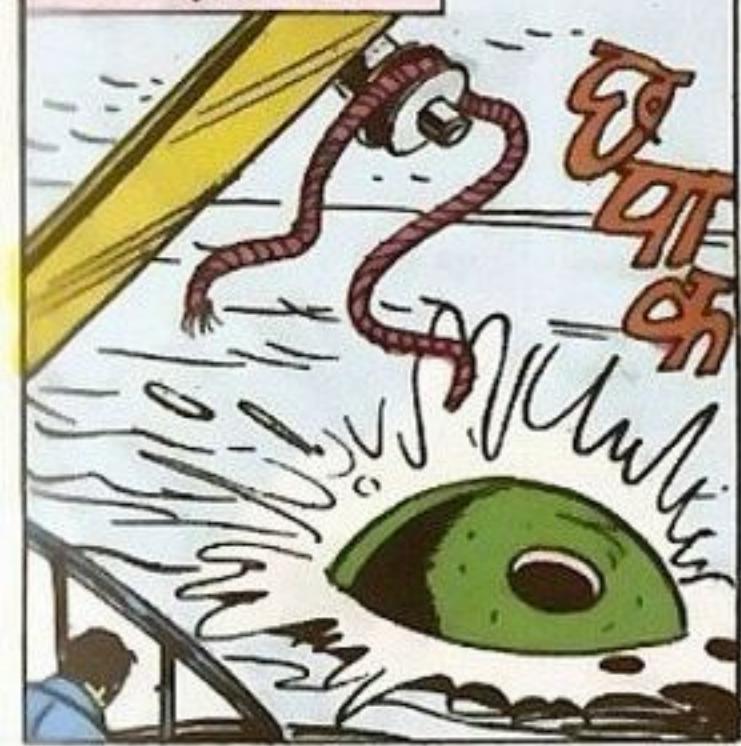
काट दो  
रस्सी।



नागराज आर सुपर कमाडा ध्रुव

जीसी के लिए पर बंधा रह भारी-भरकम  
गोला समुद्र में गिरा-

गोला तेजी के साथ आगे बढ़ा-



चींक पड़े नागराज और ध्रुव-

नागराज! शायद कोई  
सुस्पष्टत हमारी लोट की  
ओर बढ़ रही है।

यह है  
क्या?



दोनों दृग्करम से स्तर्क नजर आने लगे-

शायद मिस किलर की  
कोई अन्य चाल  
है।

तुम्हारा

कहना सच है नागराज!  
वह दूरी भी सामने  
ही दिखाई पड़ सकता है।



ड्रैक पर स्वडे नागराज व ध्रुव बुरी  
तरह से लड़स्तहा गए। उगले ही पल  
ध्रुव अथाह जलसाझी में गिर पड़ा-

धृप्पाक



### राज का मक्स

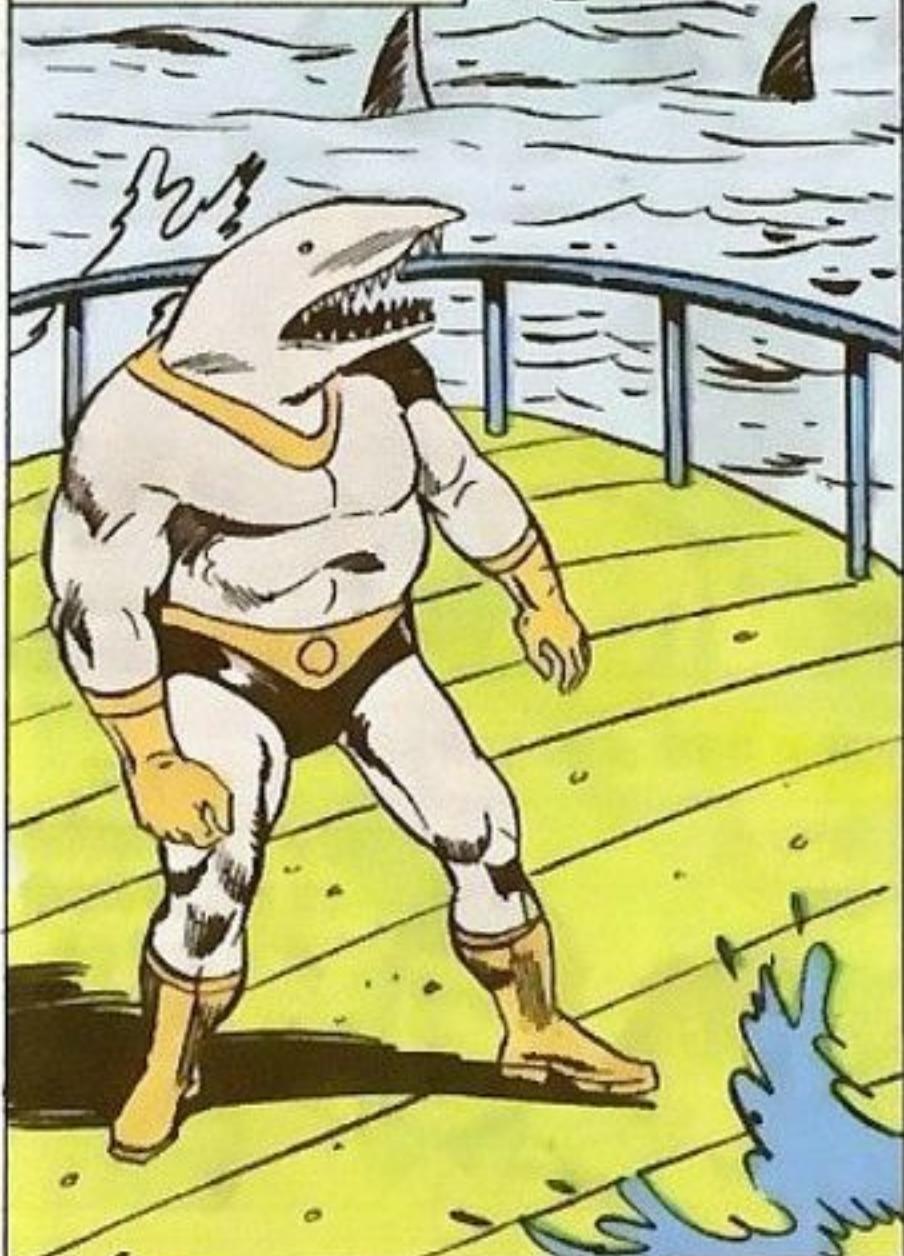
उधर धूर के समुद्र में गिरते ही सूनी शार्क मछालियों से पटे पड़े समुद्र के उस छलाले में भीषण हलचल मच गई-



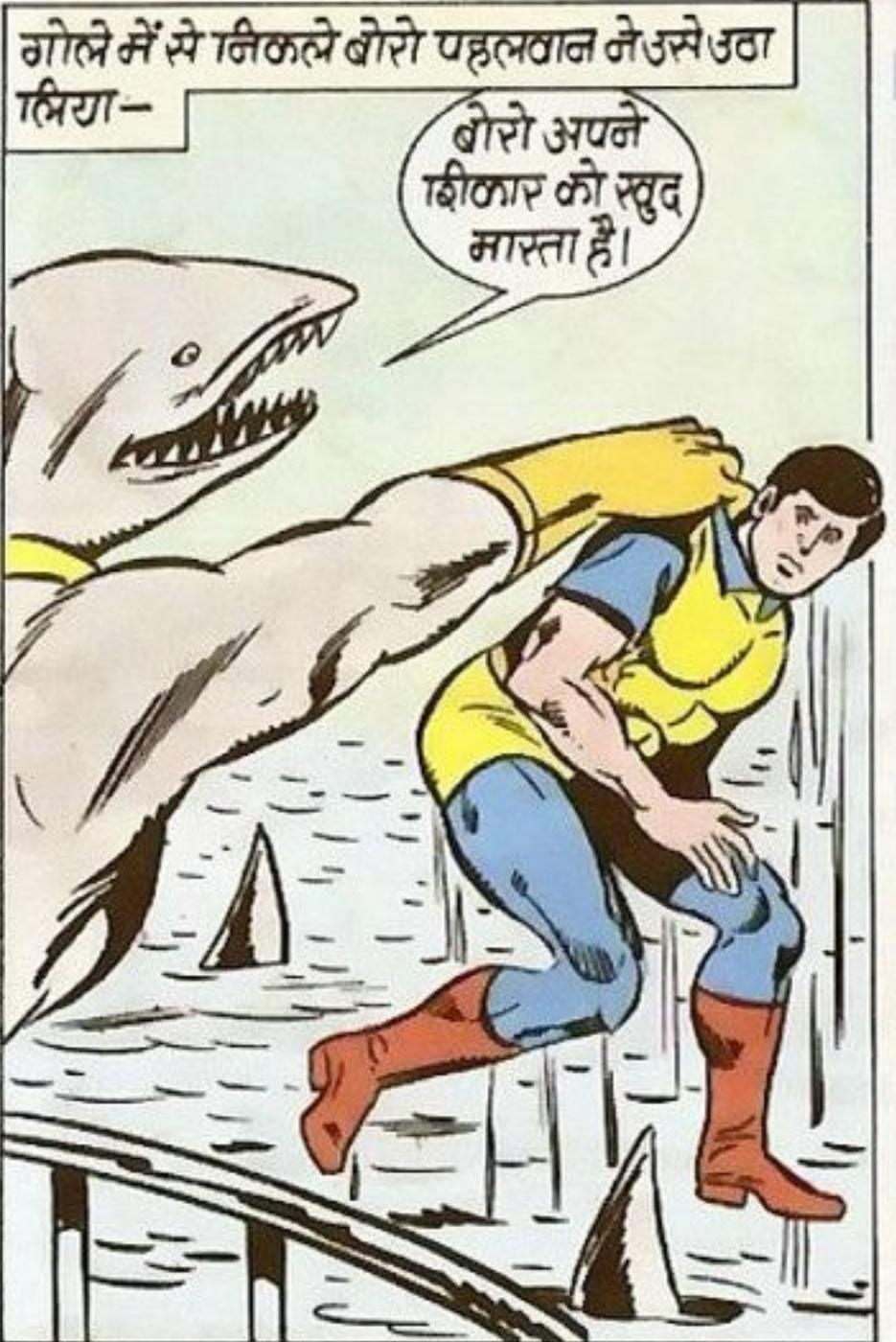
फिर इससे पहले कि कई शार्क एक साथ धूर पर टूटकर उसके बिधुड़े उड़ा देतीं-



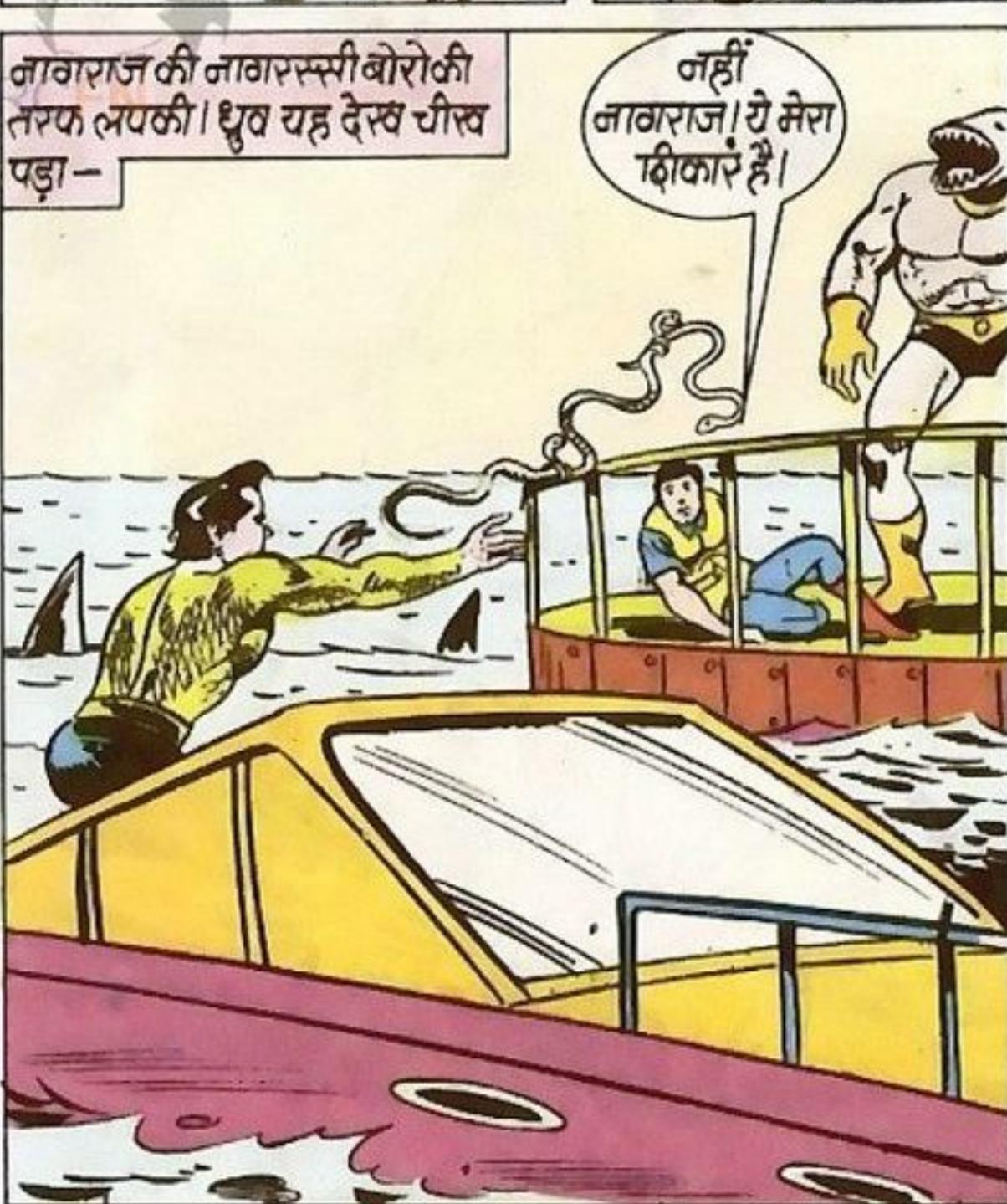
जब लहरें झांत हुई तो गोले की जगह एक प्लेटफार्म नज़र आने लगा जिस पर एक विचित्र शार्क मानव स्वड़ा था-



गोले में से निकले बोरो पहलवान ने उसे उठा लिया-



नागराज की नागरस्सी बोरो की तरफ लघकी। धूर यह देख चीख पड़ा-



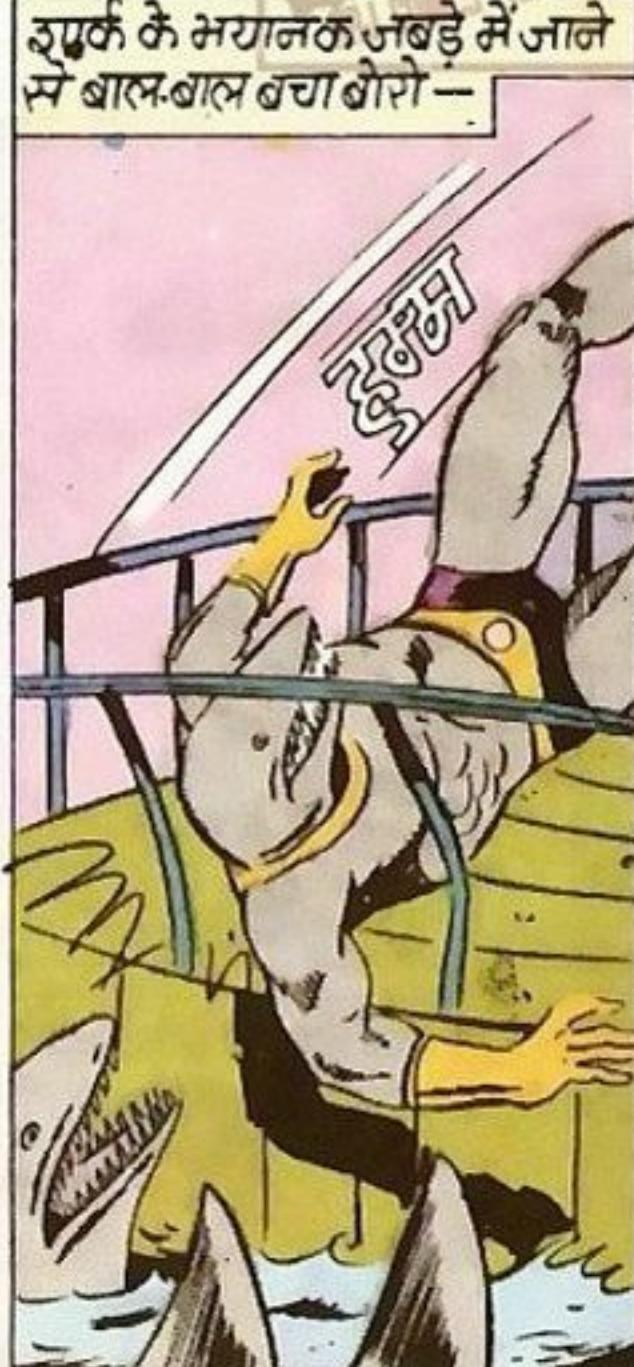
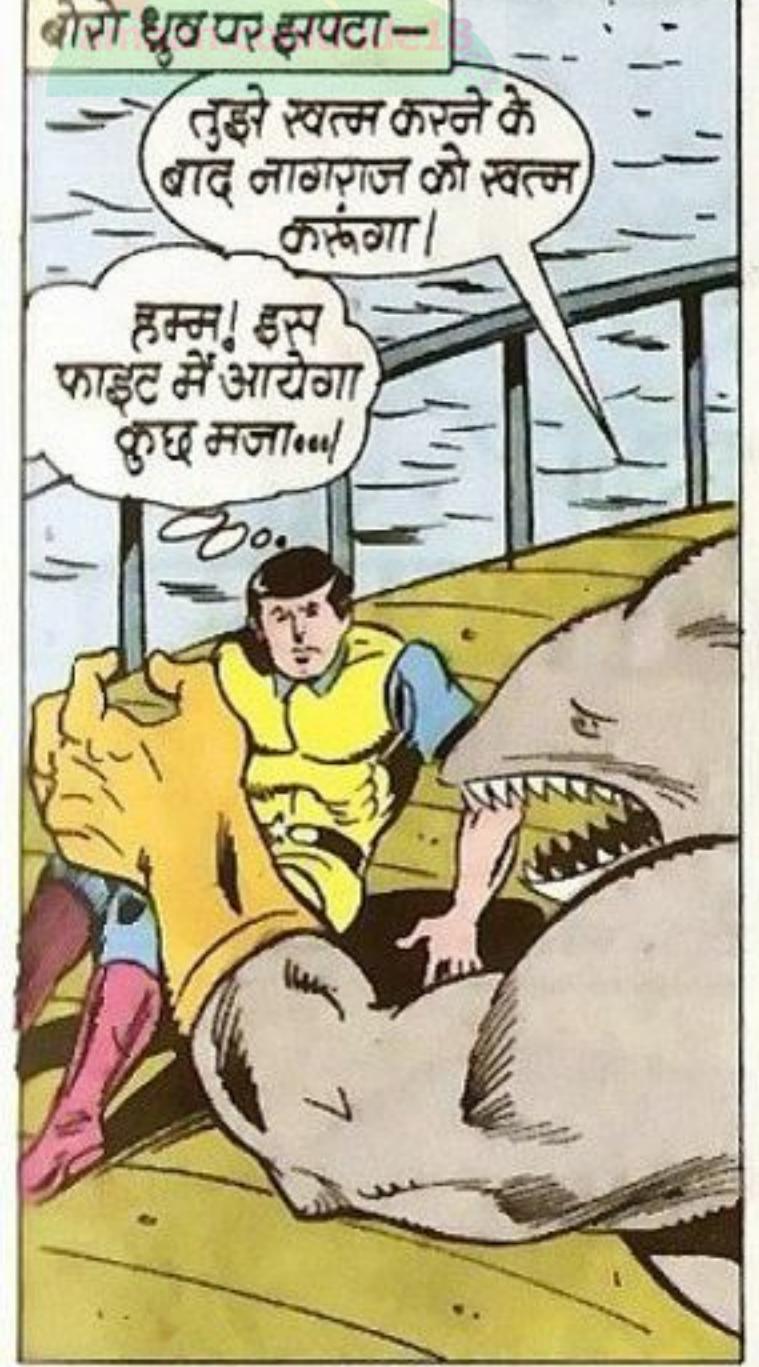
बोरो धूर पर ह्यपटा - १८

तुझे स्वतंत्र करने के  
बाद नाभियाज की स्वतंत्र  
करूँगा।

हम्म! हस  
फाफ्ट में आयेगा  
कुछ मजा....!

... समुद्र में चारों तरफ  
फैली सूनी शार्क, और  
छोटे से डगमगाते  
प्लेटफार्म पर ह्यस  
मदमस्त शार्क  
मानव से टक्कर।

शुरु के भयानक जबड़े में जाने  
से बाल-बाल बचावीरो -



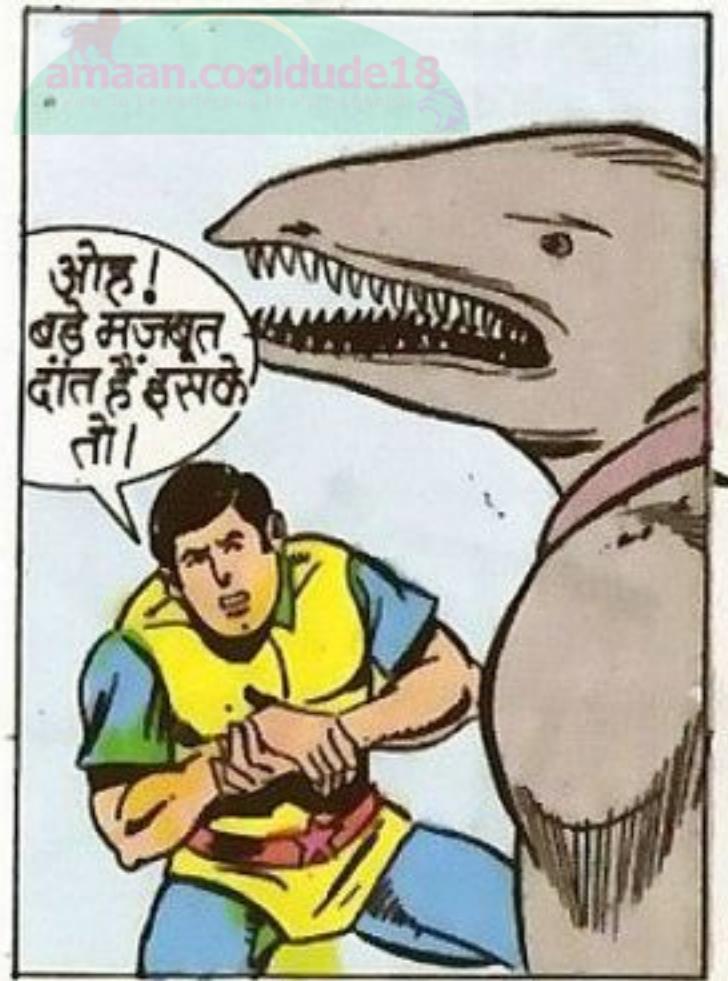
बोरो फुटि से उछला और -



ओर धूर से अभिड़ गया -



उफ!  
ह्यसके जबड़े  
से बचना होंगा।



किन्तु अब खड़े होते ही ध्रुव के हाथ में थी लोहे की प्रक रॉड -



जैसे ही बोरोने जबड़ा फैलाया -



ध्रुव ने रॉड उसके जबड़े में फँसा दी ।

और -

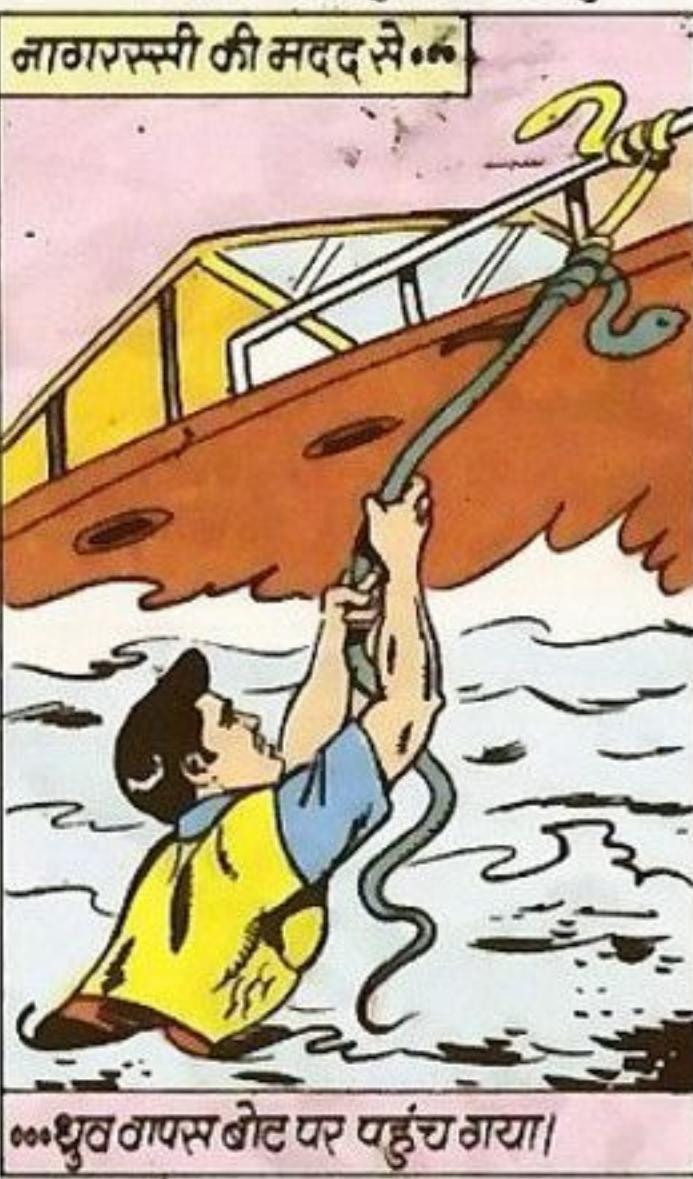


ध्रुव ने अपनी टांगों को इन भरपूर झटका दिया -

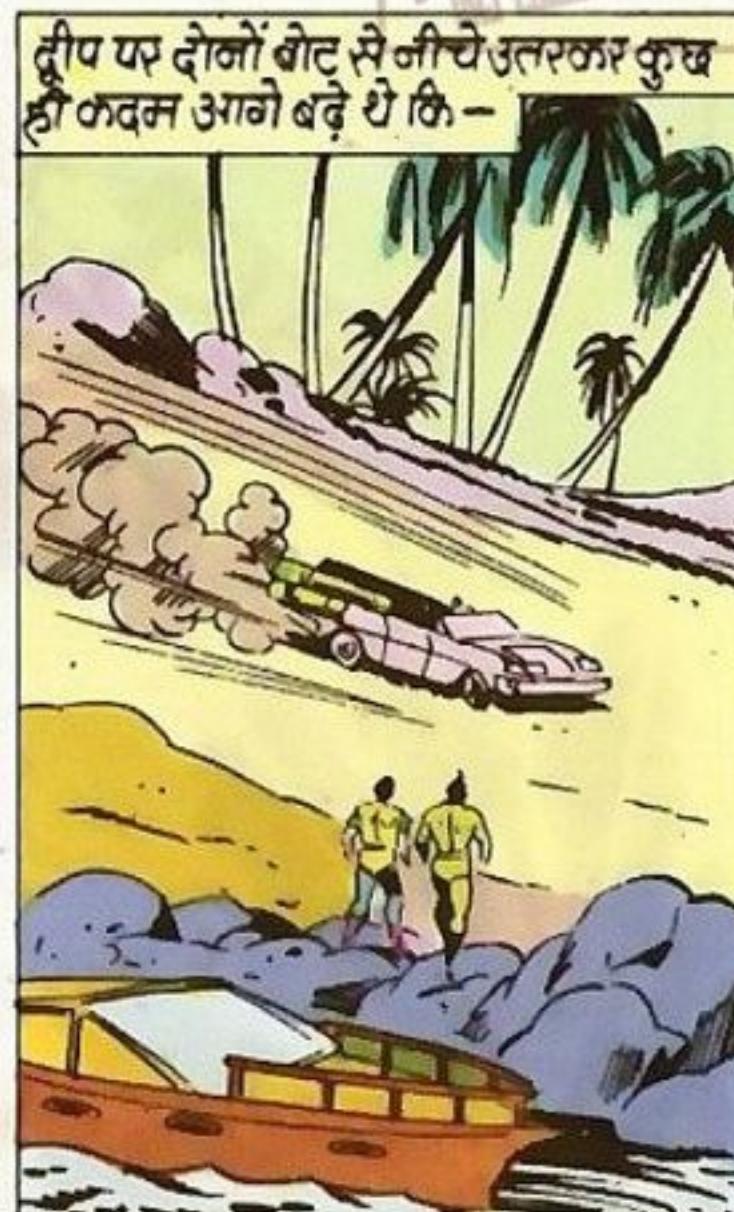




जाकी लोरो को पानी में खींचते गाहँ-



नागराजस्सी की मदद से...।



दूध पर दोनों बोट से जीचे उत्तरकाश कुछ ही लदम आगे बढ़े थे कि—



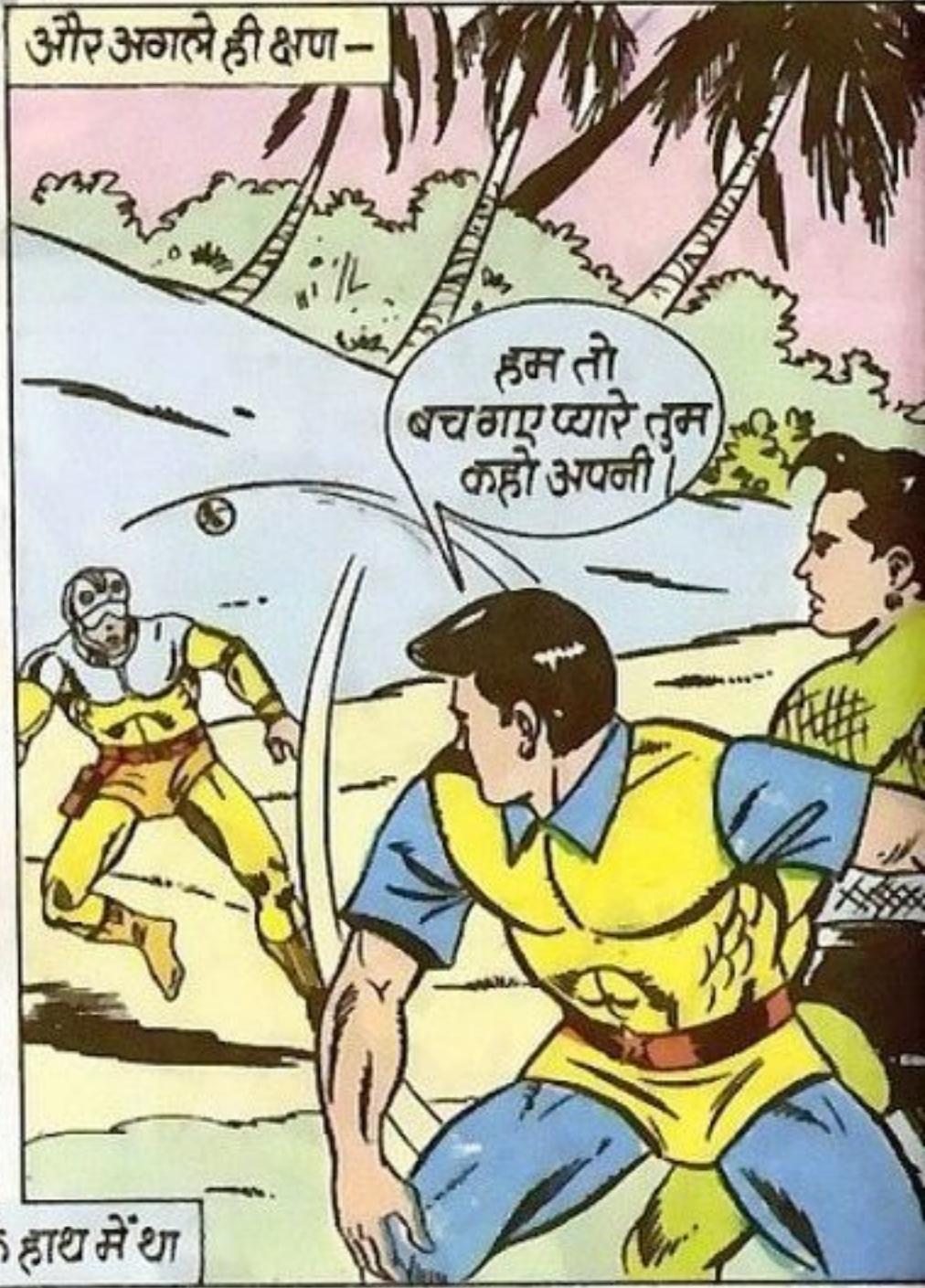
क्या हाल है बच्चो, मुझसे मिलो। मेरा नाम है स्पीडबॉल!



उगेर अब तुम....



॥ मुझसे ॥

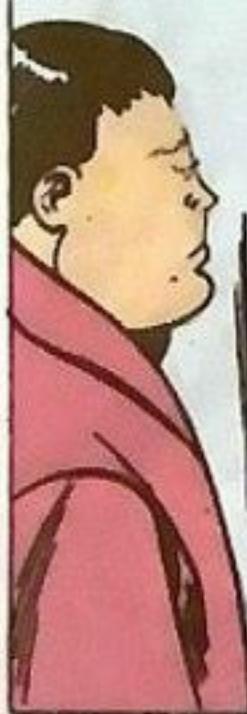




हिरोइनों की  
स्वप्नहर फ़्रायर  
का 'लू' भी उन्हें  
दे दिया गया।  
ठीक गुड।

भयानक अद्वैतहास कर  
उठी लैस लिला -

अगर लैस किंवदं की  
बनाई उस बाइया और भी ते  
एक कर गए तो यकीनन लिर  
वे उन महाशाक्तियों तक पहुंच  
पायेंगे, जिन्हें किलर फोटै  
में चूहों की तरह कैद कर  
रखा है मैंने।



और तब मंडराएगा विश्व  
पर एक दोस्त भयानक स्वतरा।  
००० जिससे टकराने के  
लिए कोई सुपरशक्ति  
जीवित न होगी। हाहा  
हाहा!

इधर नागराज और धूर पहुंच चुके  
थे उस स्वप्नहर फ़्रायर के जिला -

विशेष बात नज़र आने लगी -



नागराज, यहाँ  
तो कुछ विशेष  
बात दिखाई नहीं  
पड़ रही।

यही विशेष  
बात है धूर की  
किलर ने हमें  
यहाँ बुलाया  
है।





झूर नागराज उबलने सुड़ा हुआ, और —

नागराज!  
जल्दी बैठो।

सोचने का समय नहीं था।

झूर ने मोटर-साइकिल दौड़ादी... \* झूरिटर सर्कस में  
मोटर साइकिल सवार परन की सिरगाई आश्चर्यजनक ताला—



\* धूर की मोटर साइकिल ट्रेनिंग के बारे में जानने के लिए पढ़ें:  
धूर का रोमांचकारी कामिक्स • प्रातिशोध की जवाबा •

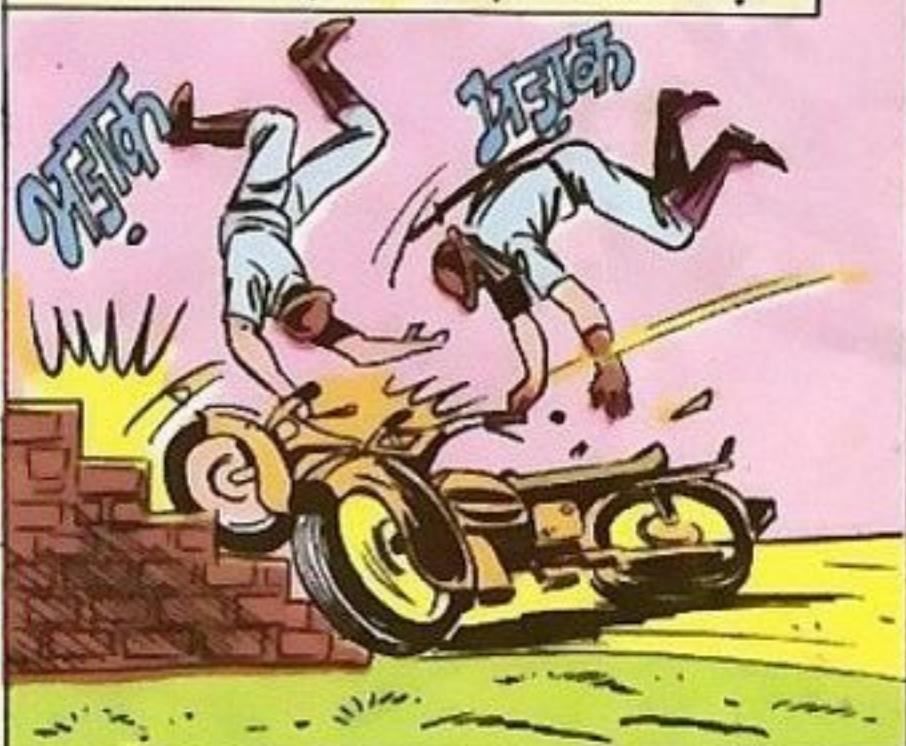
चारों तरफ से आंधी की तरह मंडरती मोटर साइकिलें—



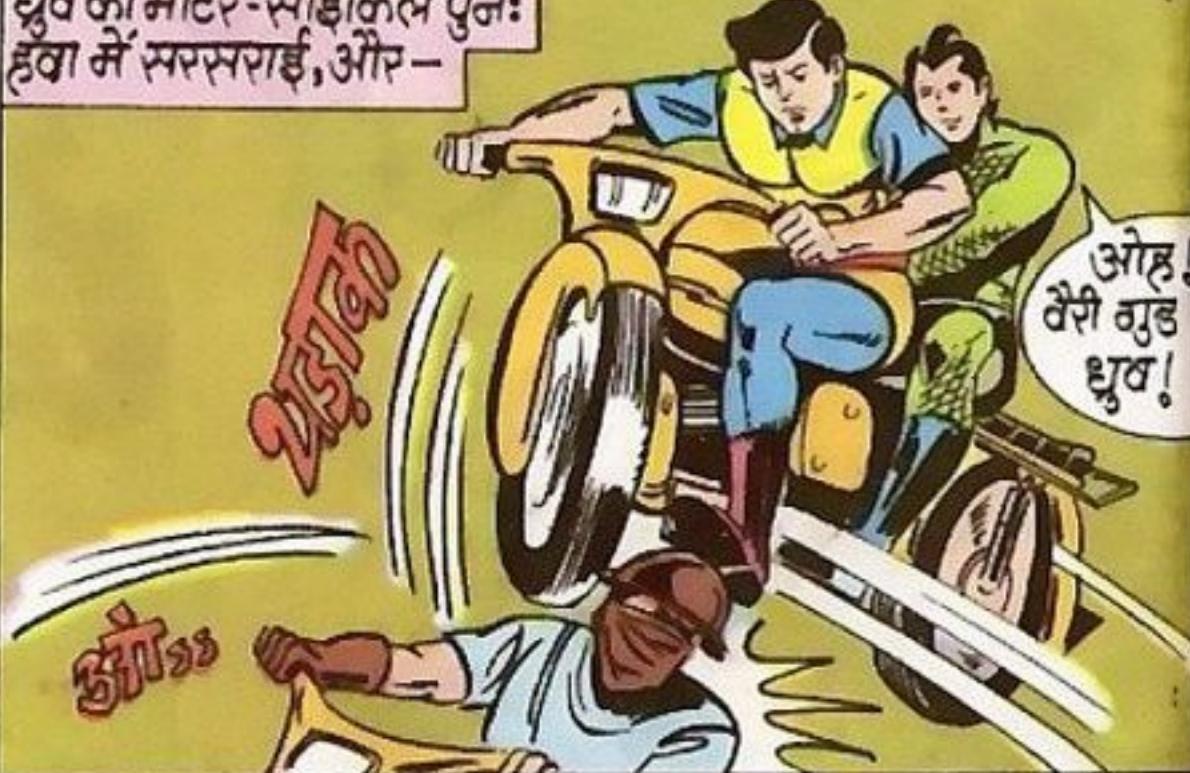
अगले ही पल नागराज सुन आश्चर्यचित हो उठा—



दोनों मोटर-साइकिलें सीधियों से जा मिडीं—



धूर की मोटर-साइकिल पुज़:  
हवा में सरसराई, और—

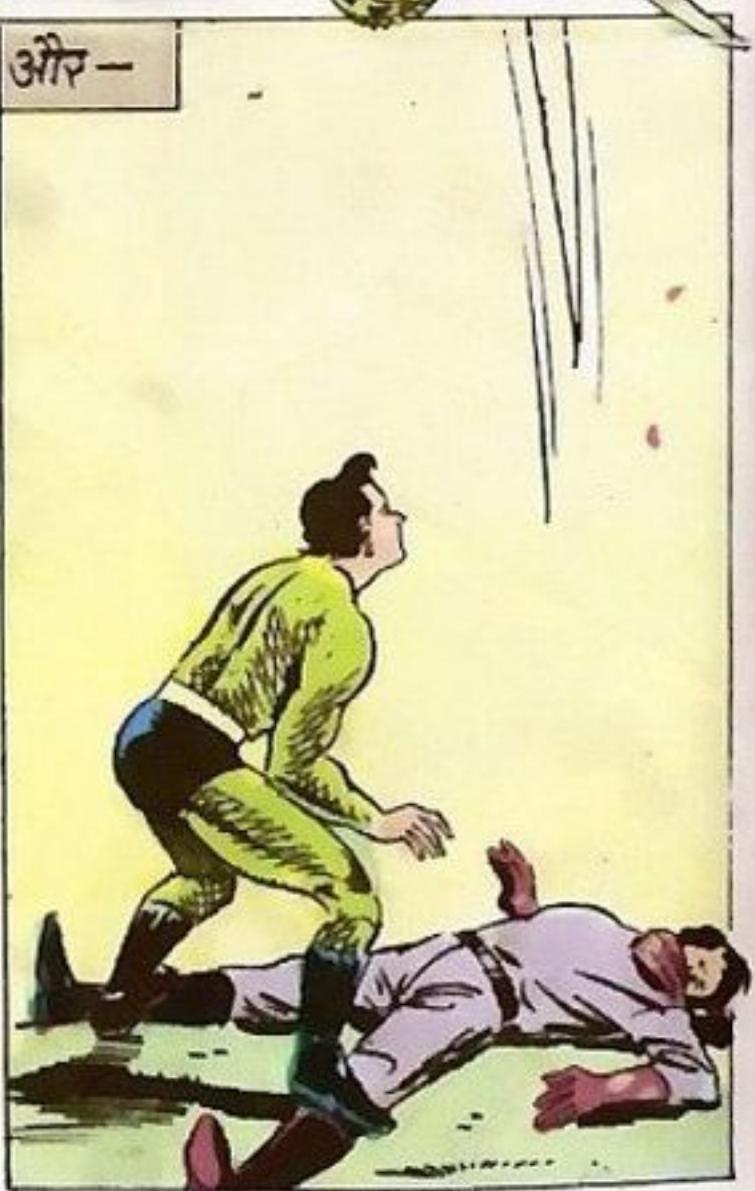
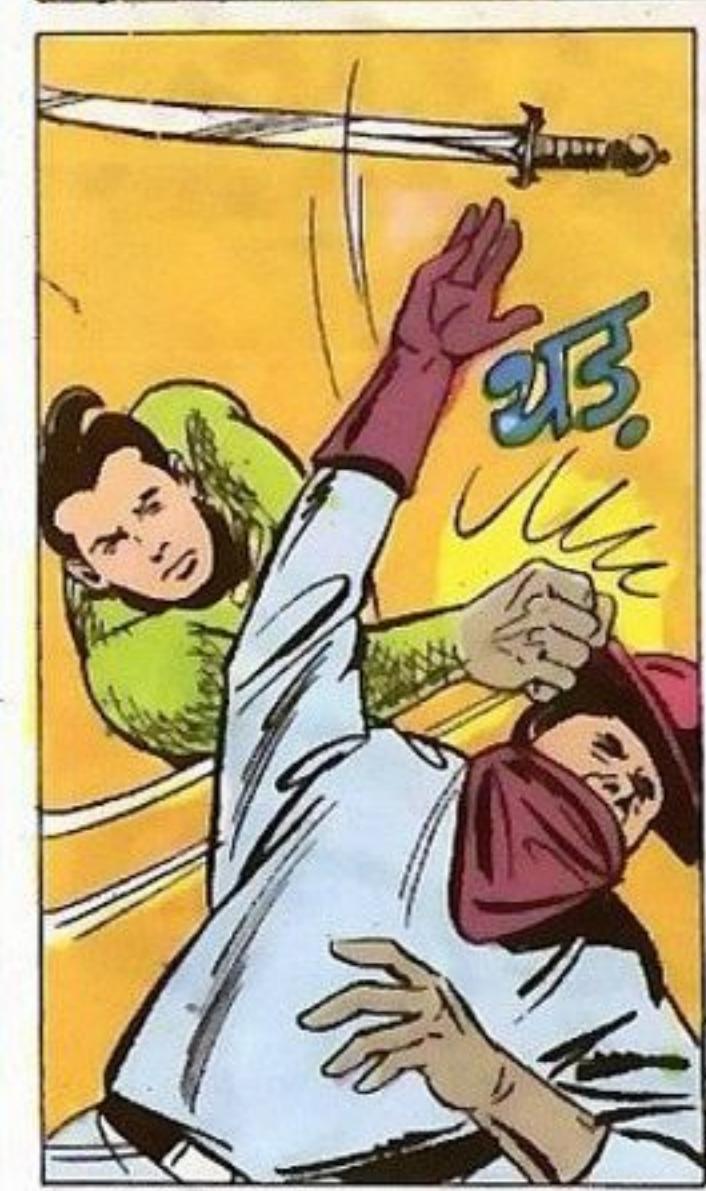


यहाँ धूक गया थुर—



ठीक समय पर दोनों ने जम्पली, और—







इत्यर नागराज र धूर को एक कदम आगे छढ़ाना  
सचमुच महंगा पड़ा—



उनके पांव तले से जमीन सरक गई—



दोनों नीचे खड़ी एक कार में गिरे—



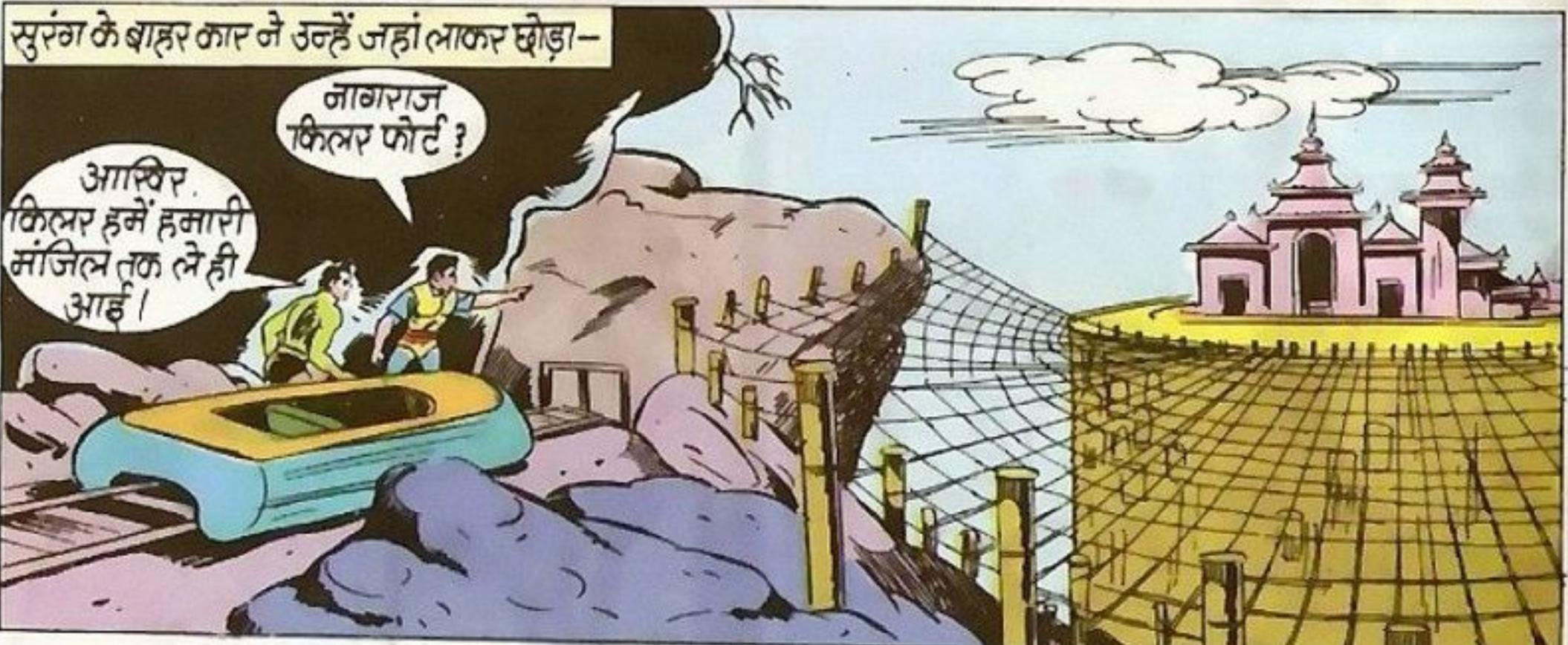
उन्हें लिए कार सुरंग में दोड़ पड़ी—



नागराज! हम  
किलर के जाल  
में फँस गए।

न जाने ये  
सुरंग कहां स्वतंत्र  
होगी।

सुरंग के बाहर कार ने उन्हें जहां भाकर छोड़ा—

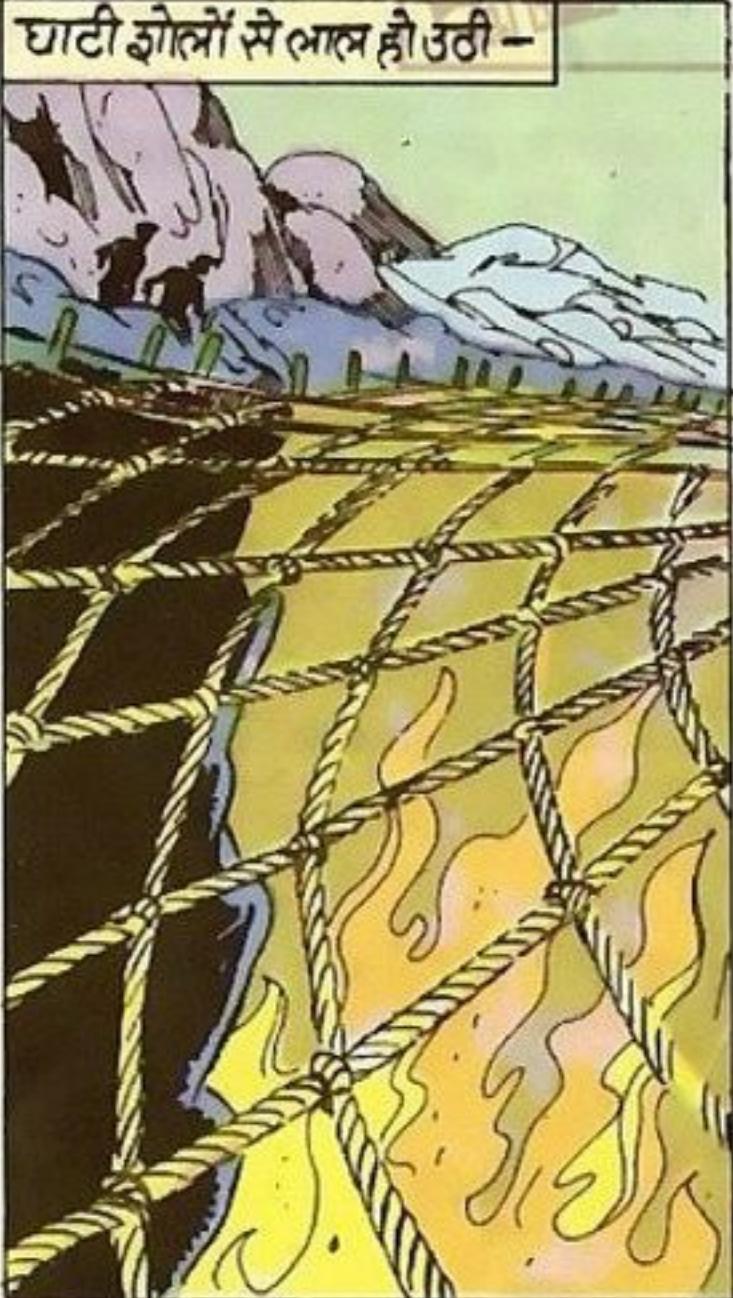


यह स्त्रियों का जाल  
किन्तु के चारों ओर व्याँ  
बांधा गया है ?

अभी पता  
लग जाता  
है !

नागराज ने पत्थर स्थाई  
में उछाल दिया —

चाटी शौलों से लाप्र हो उठी —



मानवता के दोनों रक्षक मौत के उस जाल पर चलते  
हुए आगे बढ़े —



नागराज का स्पीचना गलत न था । कुंगफू  
उज्हीं का हन्तजार कर सका था —



नागराज और धूर के मस्तिष्क में  
स्वतरे की दृष्टि बंजारी -

नागराज! इनके  
इरादे नेक नहीं  
देखते।

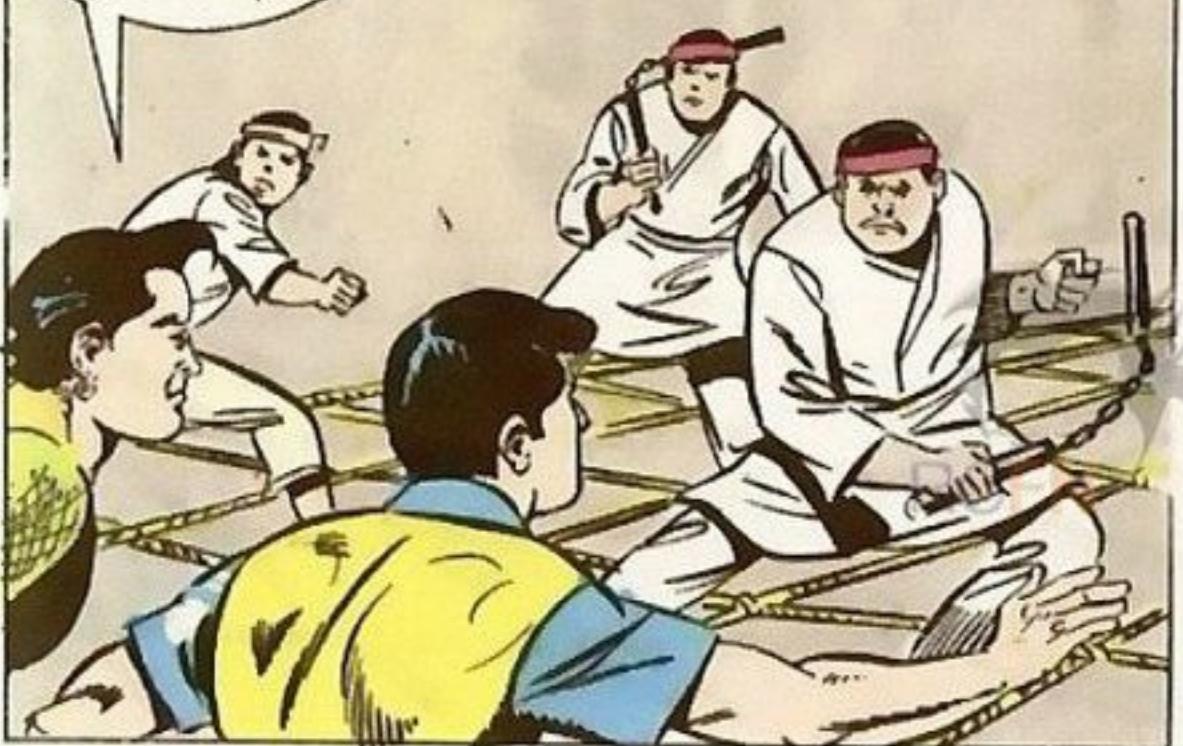
मिस हिलर ने उच्ची  
जगह पुनी है। धूर, यह  
हमारे लिए सचमुच परीक्षा की  
घड़ी है।

भड़ाकों ने सर्कास के कुबाल आठिलाड़ीयों की तरह कूदते  
फोड़ते...



“दोनों को दूर लिया-

पहला वार  
वुद्धमन की ओर से ही  
होना चाहिए।



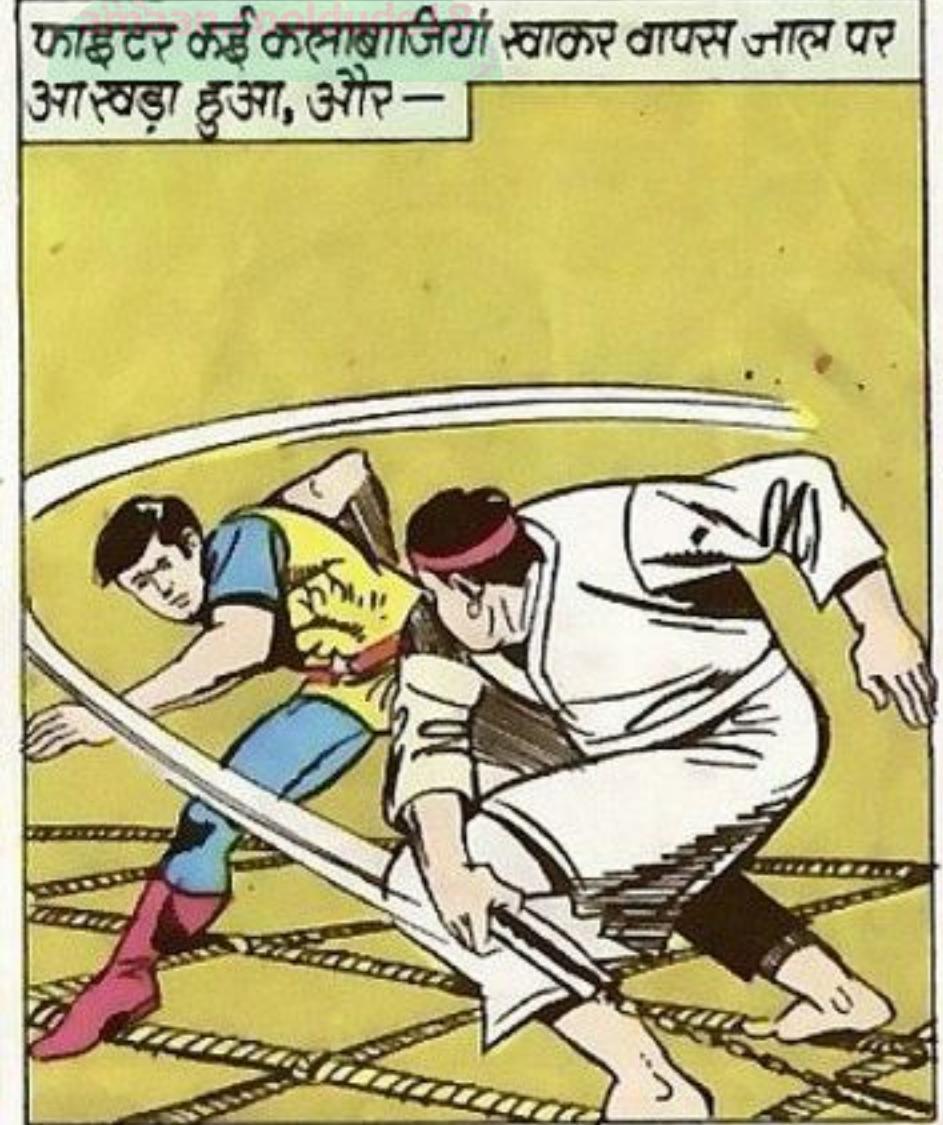
पहला वार दुधमन की ओर से ही हुआ-



सर्कास का जांबाज... आठिलाड़ी, धूरा

ने किवल अपने घाँस  
रस्सियों के जाल पर गपस  
टिका चुका था, बाल्कि -

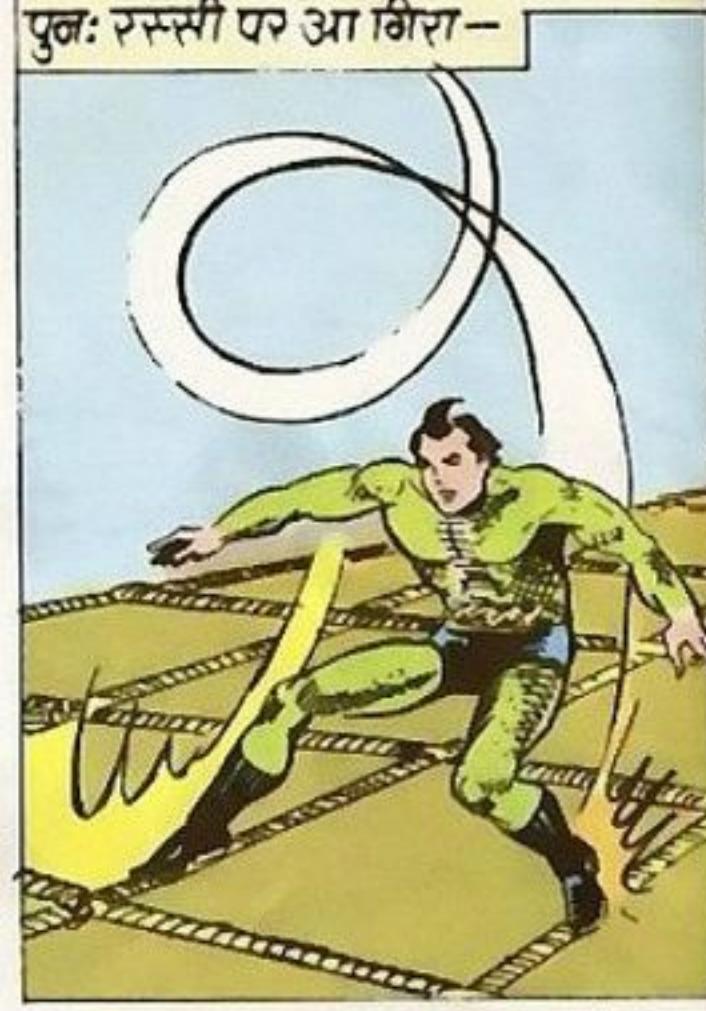




माइक्स एसिया, जहां कदम -  
कदम पर मीत बिछी हुई थी -

जागराज का शक्तिशाली वार -

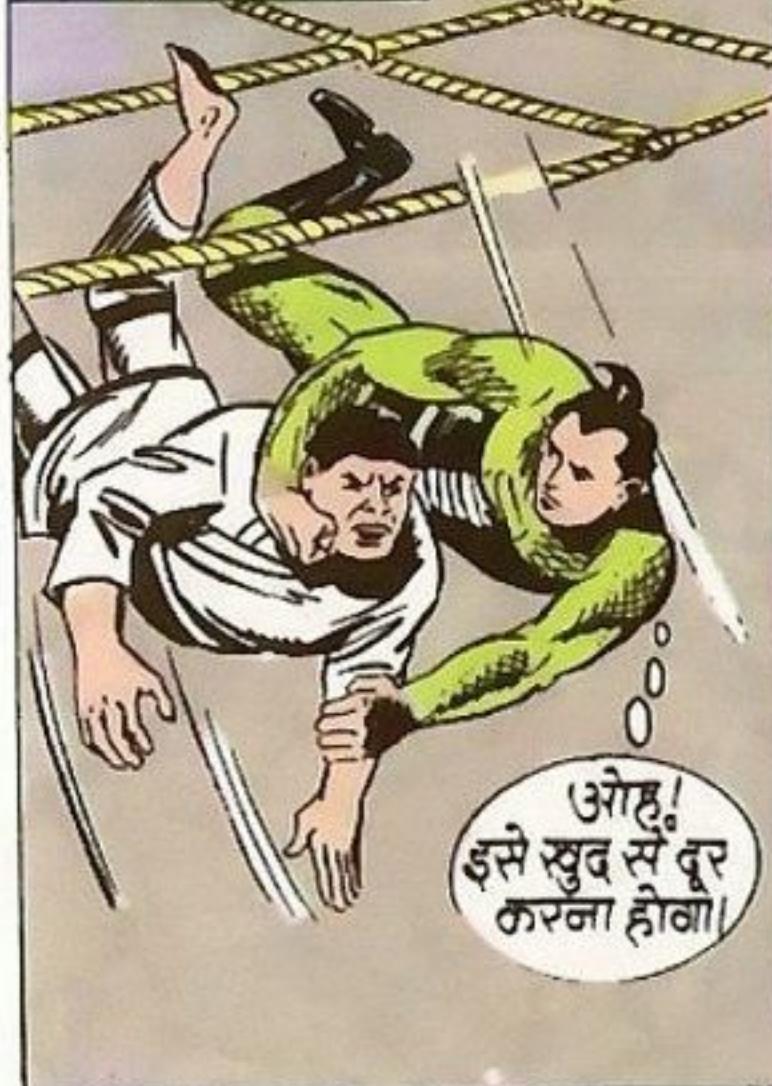
जागराज तो रँडे कलाणाजिहां स्थान  
पुनः रस्सी पर आ गिरा -



ठिन्टु फाइटर सीधा मीतकी  
स्थाई में गंगा -



दूसरा फाइटर तब तक जागराज पर छलांग  
लगा चुका था, और -

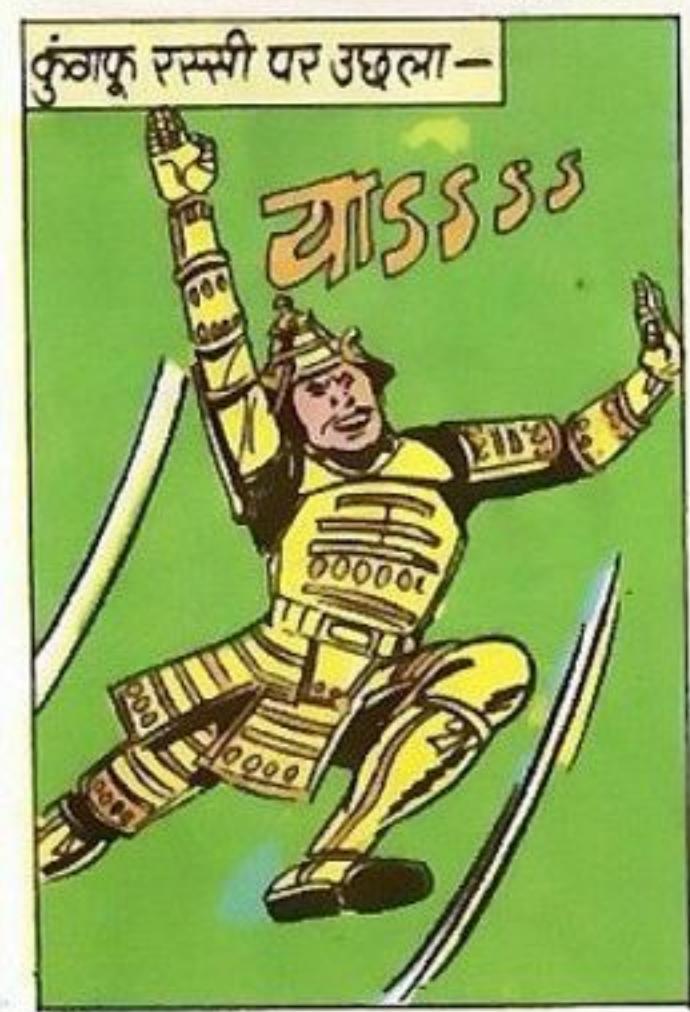
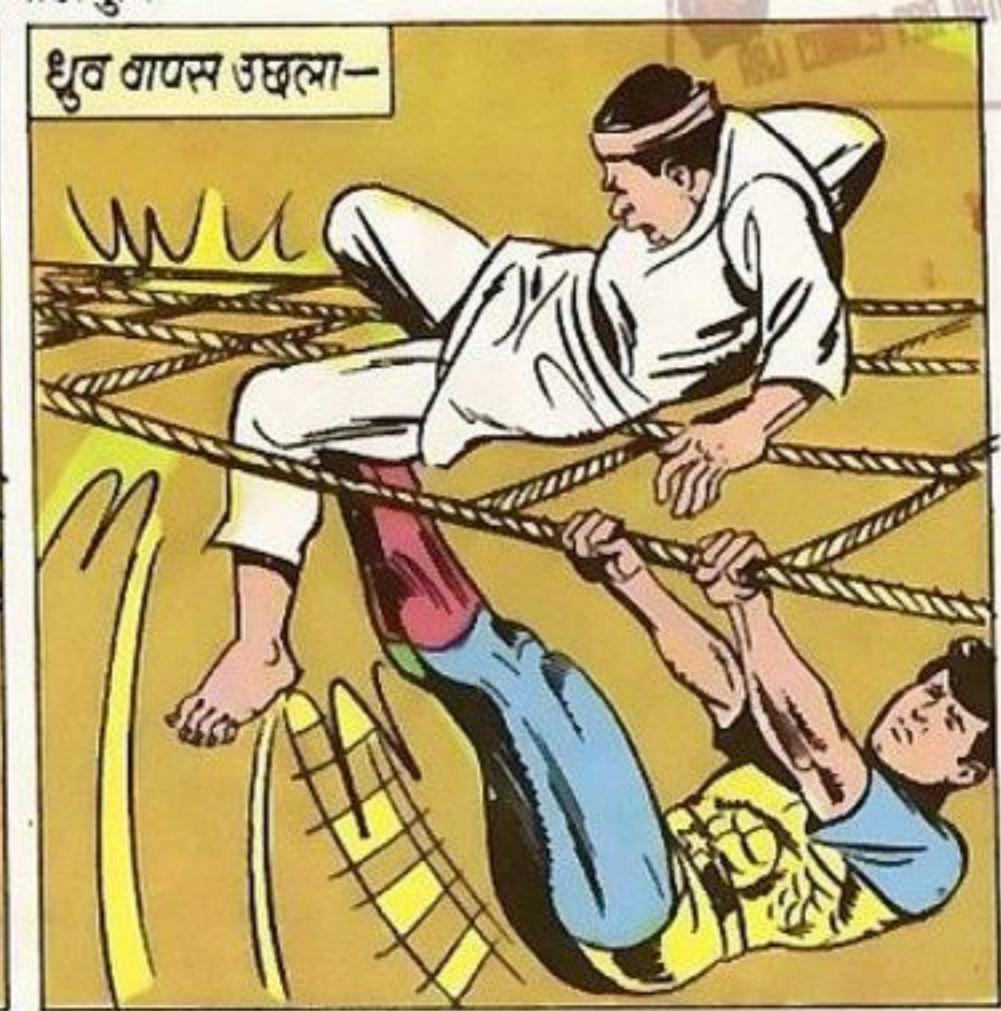
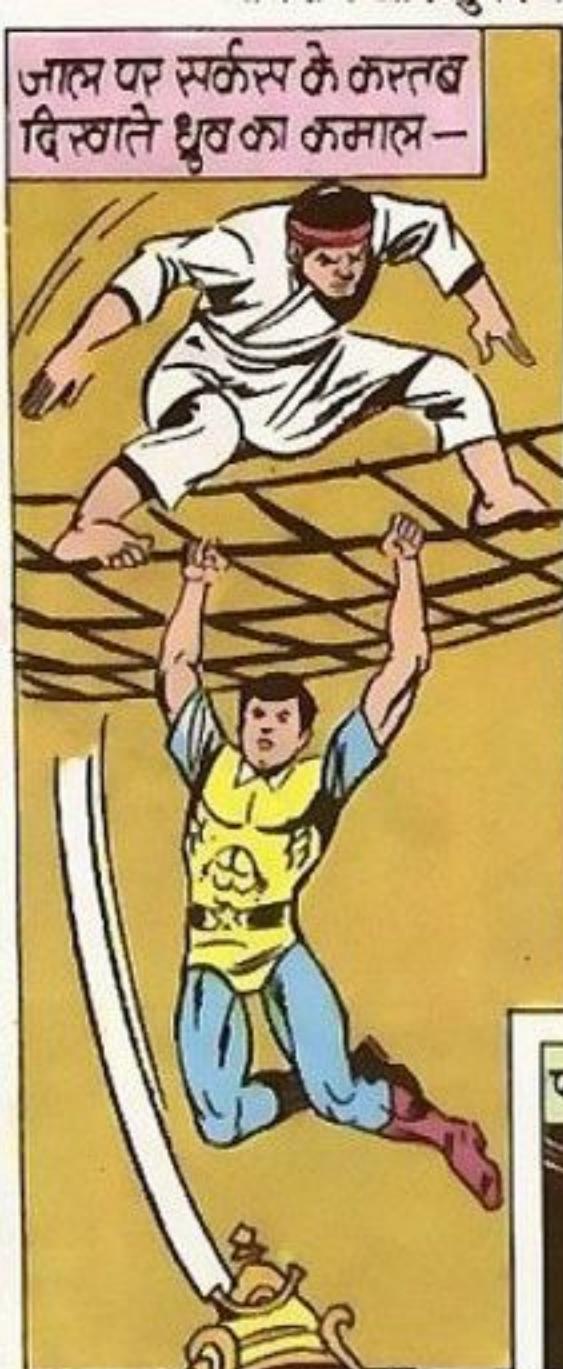


सर्पिन्सी लहराई-



सर्पिन्सी पर लटके जागराज का शक्तिशाली  
घूंसा -





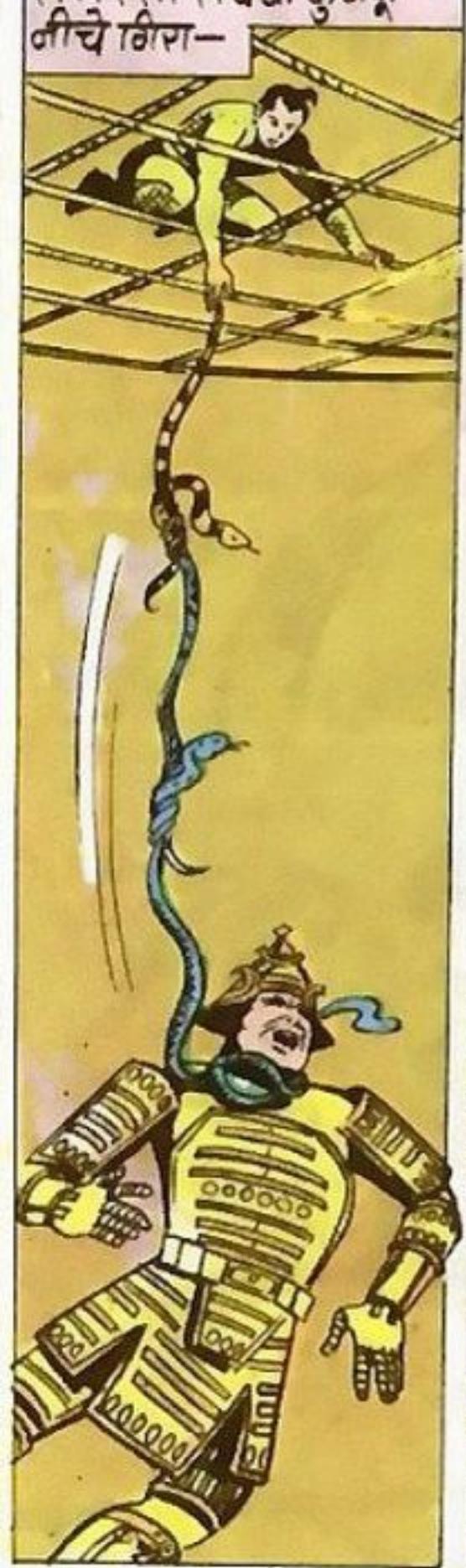
नागराज की सर्पिस्ती कुंगफू के गले में लिहट गई -



नागराज की भीषण टक्कर कुंगफू के सीने पर पड़ी -



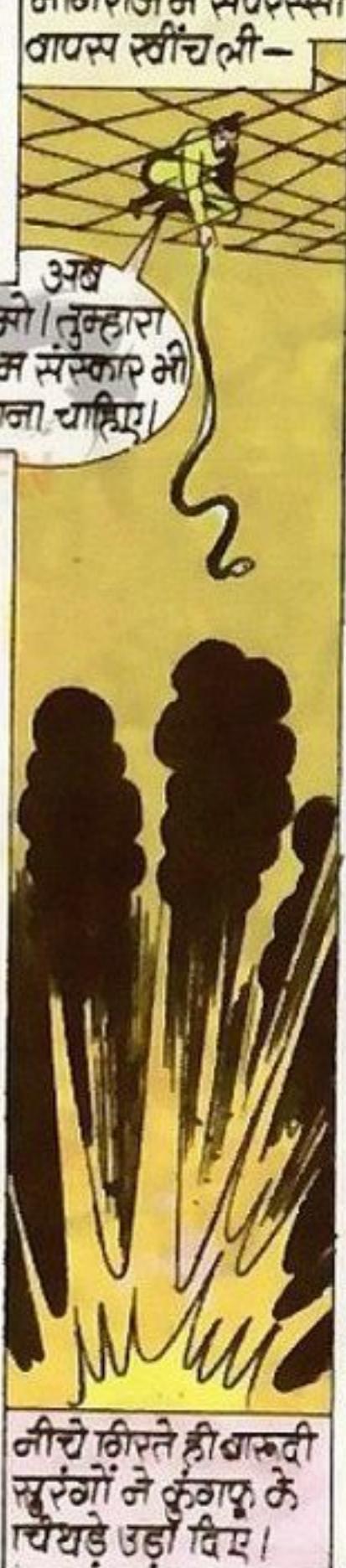
सर्पिस्ती से बंदा कुंगफू  
नीचे गिरा -



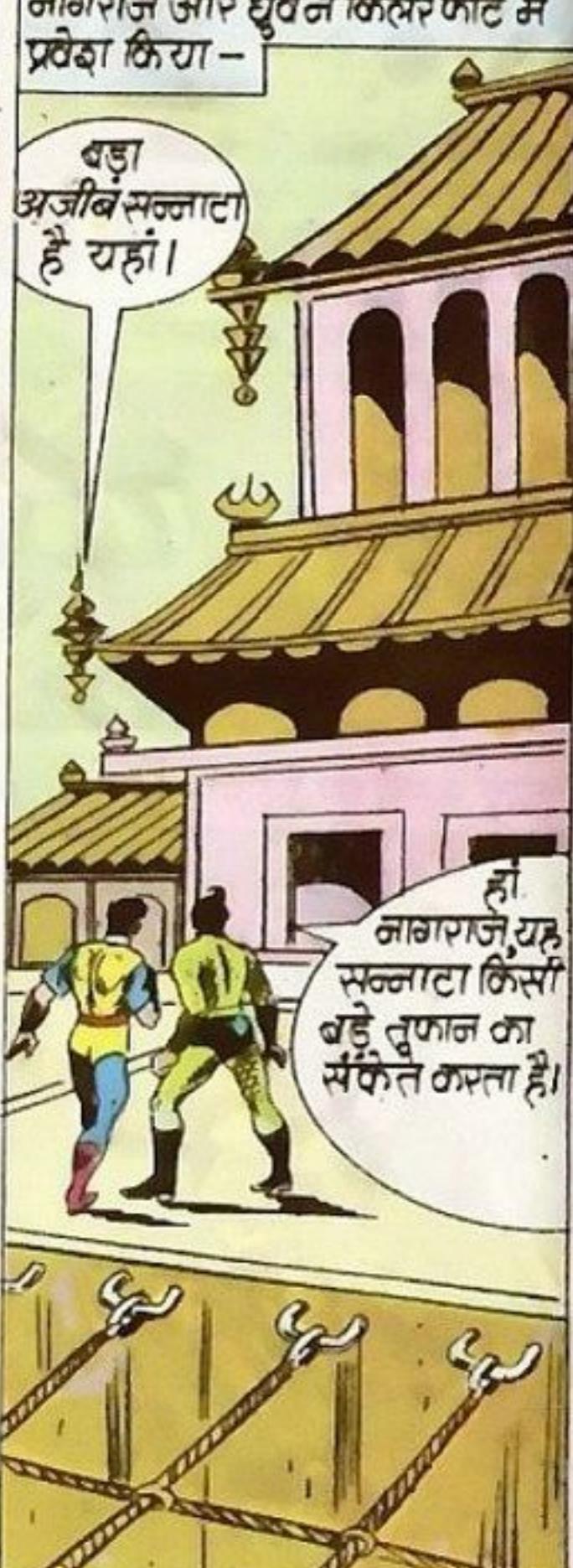
सर्पिस्ती कुंगफू के गले  
में लाप्प गई -



नागराज ने सर्पिस्ती  
रापस्य सींचभी -



नागराज और धूर ने किलर फोर्ट में  
प्रवेश किया -



कुंगफू फंदे में छूल गया /

नीचे ठीकते ही बारूदी  
सुरंगों ने कुंगफू के  
चौथे उड़ों दिए।

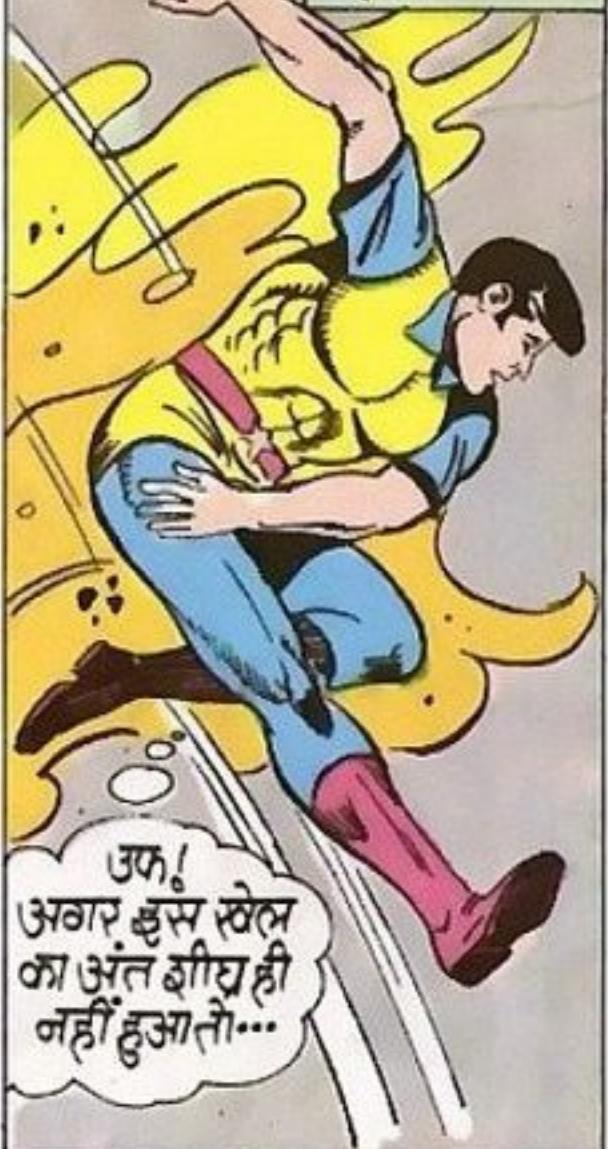




धूर के अभ्यास द्वारी ने एक  
कुशल उछाल भरी-



और वह सुरक्षित आग के छोर से  
बाहर आ गया-



अब धूर के सामने थाफ्स स्वेच्छा का अंत-



फायरस्टार्म यमदूत बना धूर के सामने रुक्खा था -

हा हा हा  
धूर बर्चर, कभी मुझा  
हुआ आदमी देखा है नहीं  
जा / हा हा अब देख  
मी जहीं पाएगा।

ये लो मौत,  
शार्तेहा मौत, धूर  
की मौत।

मौत की उस आग ने सुपर कमांडो धूर को अपने में समेट  
लिया -

आह !  
उफ नहीं !

धूर को कभी अपशारियों के  
स्त्रीलोक शिरोल्प उठाने की  
जस्तत नहीं पड़ी -

तभी -

अब मैं  
ओप नहीं सह  
सकता / क्या आज  
मुझे अपने शिरोल्प  
का छस्तेमाल करना  
ही पड़ेगा।

मेरी  
इच्छाशक्ति  
जागा दे रही  
है।

जाक

और फायर स्टार्म के लड़खड़ाते ही वह उसके कंधों पर सवार हो गया—



किन्तु नागराज, मुझे इस गौलकी में भगाकर तुम कहां गायब हो गए थे?

कहीं नहीं दोस्त, मैं यहां था।...

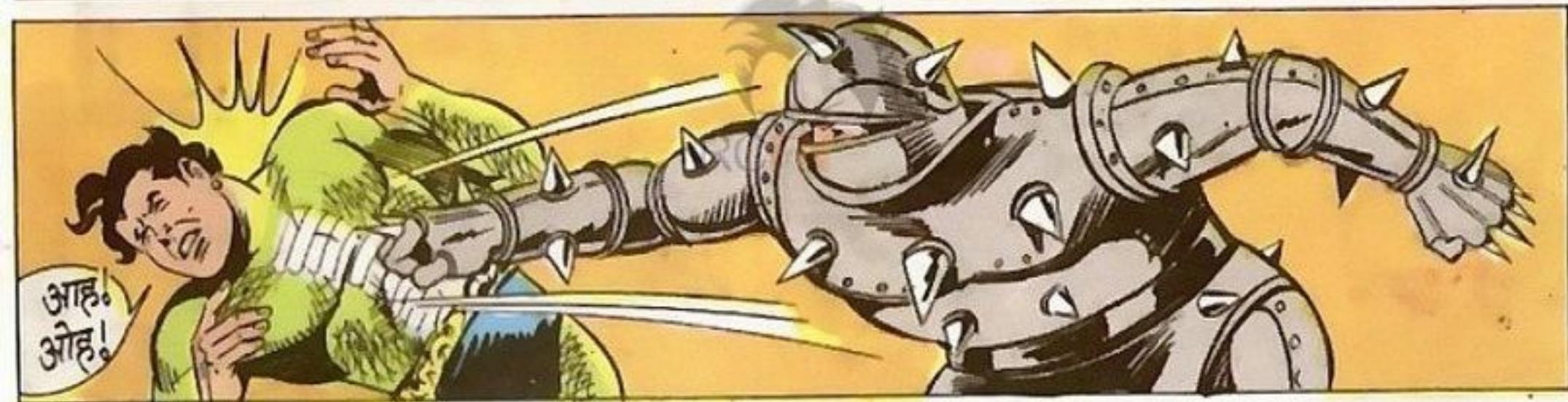


बिल्कुल फायर स्टार्म के ऊपर छत से चिपका हुआ, किन्तु उसकी नजर मुझ पर नहीं थी—



अभी नागराज ने अपनी बात समाप्त की ही थी कि—

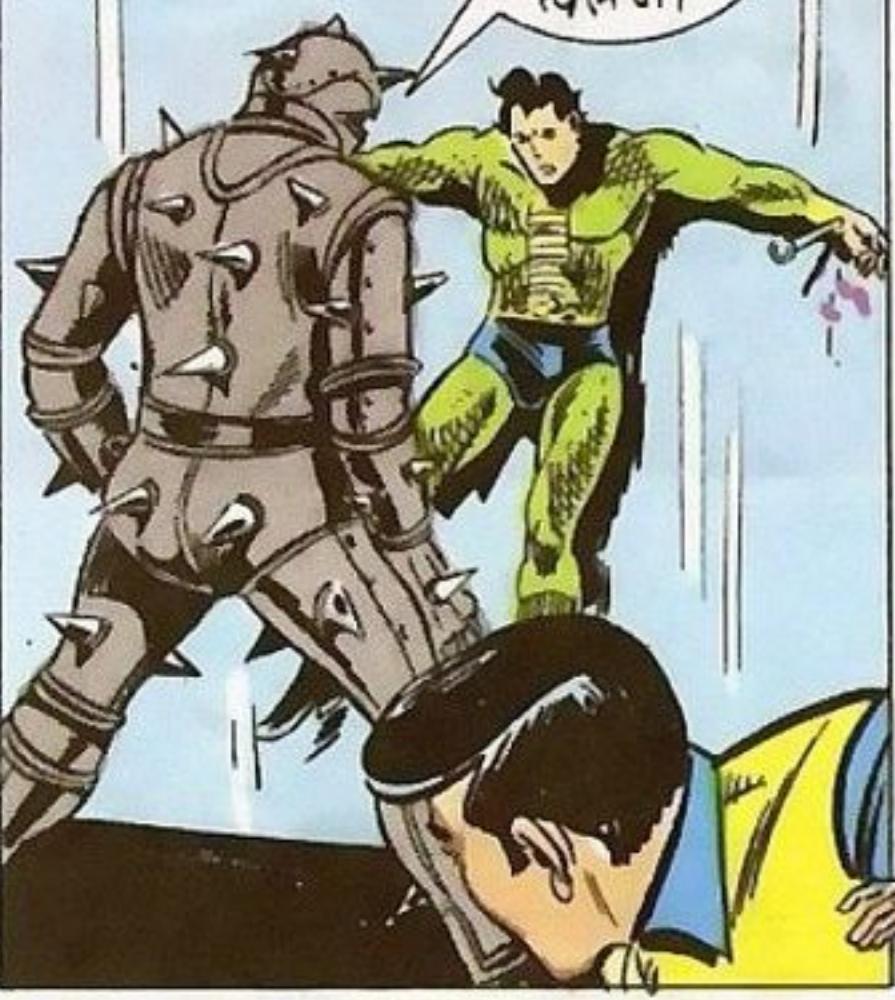




राज का मक्स

और आकिंडो ने जागराज को दीवार के सहारे ठोक दिया—

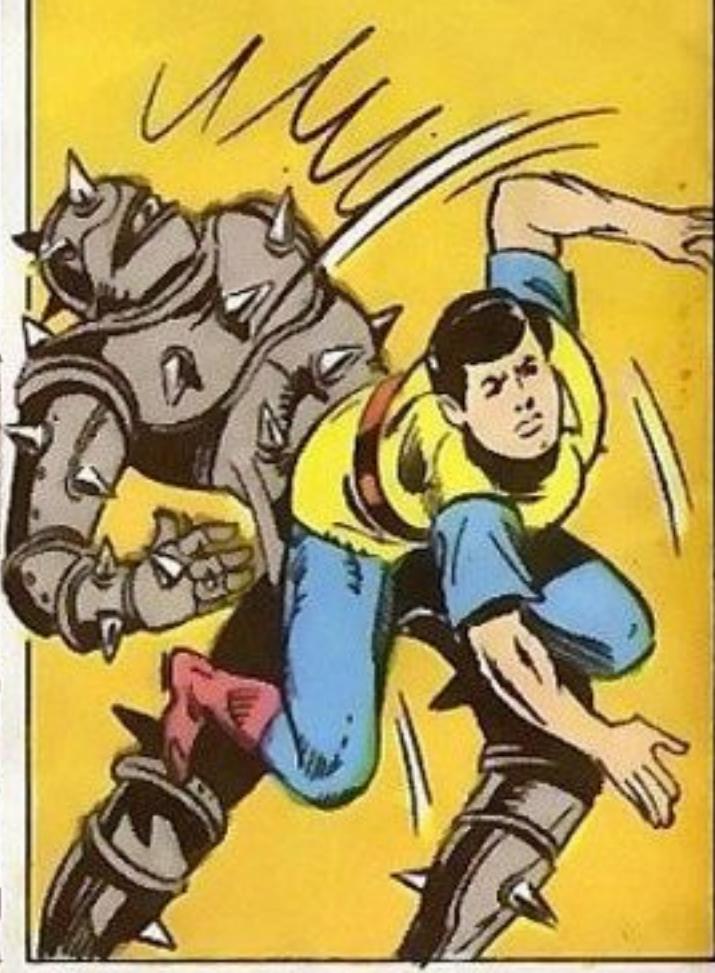
क्यों जागराज,  
मजा आ रहा है इस  
स्वेल में।



अपना क्रम निपटाकर  
वह धूर की तरफ पलटा  
और—



धूर ने अपना संपूर्ण शारीरिक तात्त्विक  
बल लगा दिया, और—



आकिंडो बुस्से में तमतमाता हुआ फिर धूर की तरफ बढ़ा—

अब इस मुर्के  
से तुझे इस संसार की  
कोई ताकत मरने से  
नहीं बचा सकती  
धूर!



उद्धर आकिंडो ने तेजी से मुक्का घुमाया—



और आकिंडो का मुक्का मीटर बाक्स तोड़ता हुआ...



बिजली के तेज करण्ट से टकराया।

और कुछ ही क्षणों में ह मरमाकर ठीक पड़ा -



अब वह मर चुका था।

ध्रुव पलटा -



त्याओ नागराज! उब तुम्हें भी आजाद करा दूं।

नागराज! बहुत शारिरिक था यह लौहमानर।

ध्रुव व नागराज की सम्मिलित शक्ति ...

००० के फलस्वरूप नागराज किसे जमीन पर स्वड़ा था -

नागराज! कमाल है तुम्हारा जस्ता हृतकीर्णदी भर गया। क्या तुम्हें दर्द नहीं हो रहा?

नहीं धूर!  
यही तो कमाल है।



किन्तु तभी दोनों के पांछ को लीचे से जमीन अस्तित्व रखा -

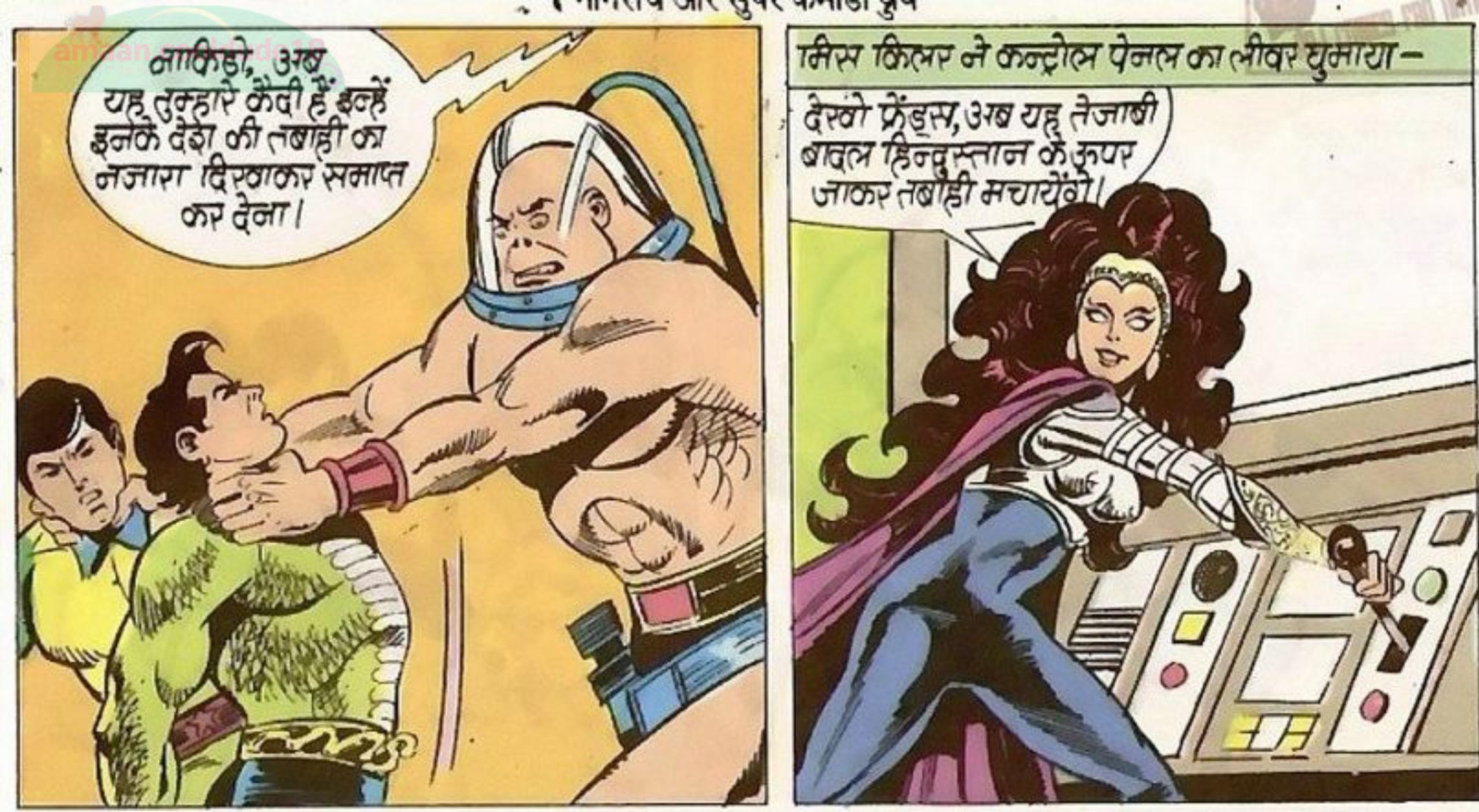


और दोनों कुशल कमाल जमीन पर सीधे स्वड़े थे -

और संभलते ही दोनों के सामने था, एक महान आश्चर्य!

बेलकर प्रैंडस! किस्मर फोर्ट में  
आप का स्वागत है! अब यह सारी सुपर  
शाकितरां मेरी ऊँद में हैं और उन्हें तुम  
स्फीन्य पर देखना किस तरह मेरी तेजाली  
गारिडा ठिक्क के छड़े-छड़े देशों को  
वुलाम बनाती है!





मिस किलर जै कन्फ्रॉन्ट पेनल का भीवर घुमाया-

देसरो फ्रेंड्स, अब यह तेजाई बाबल हिंजप्रस्तान के काम जाकर तबाही मचायेंगे।



तभी नागराज मिस किलर की बातों में उलझाए रखने के लिए लोत्पन्न -

मिस किलर! यह तो उत्ताउरो कि तुमने हमें स्टेडियम पहुंचने से क्यों रोका और हमें भी बाकी सुण्ड छान्तियों के साथ कैद क्यों नहीं किया?

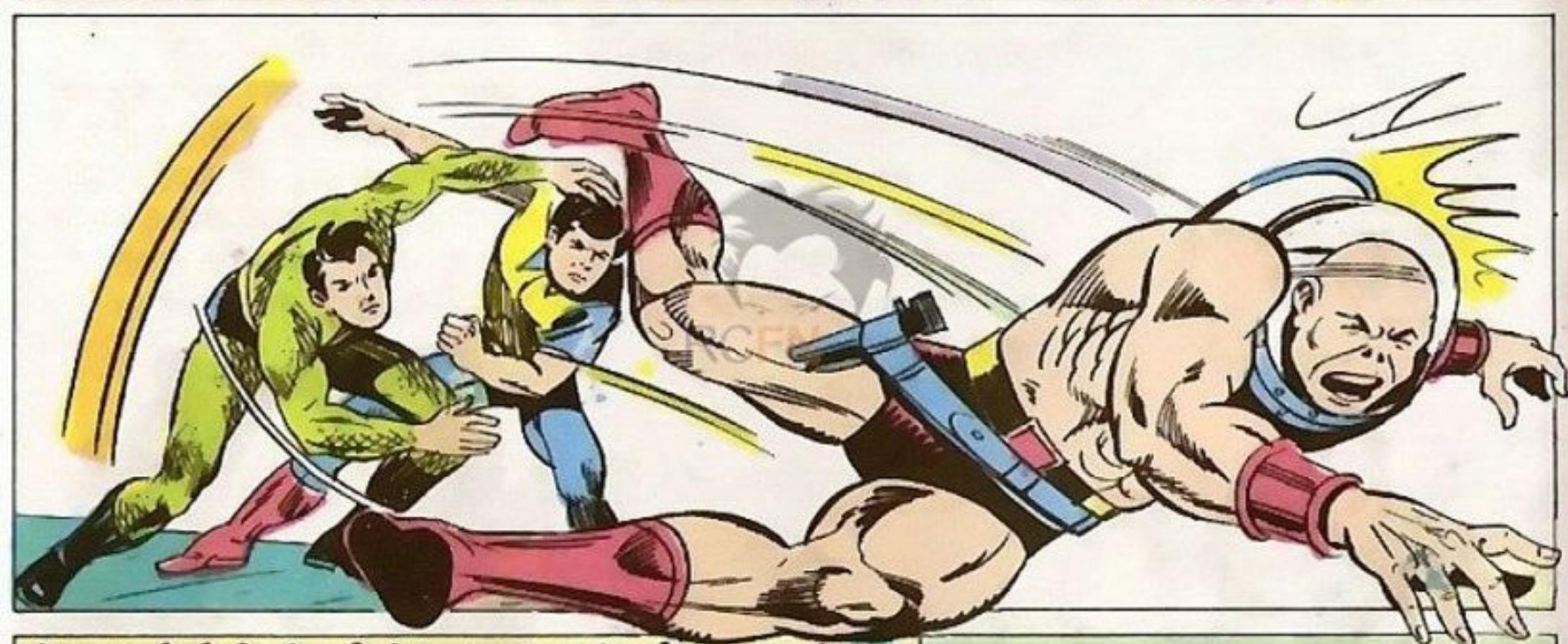
हा हा हा।  
नागराज, अगर तुम दोनों स्टेडियम समय से पहुंच जाते तो उन्हाँ कोई ना लौट हँगामा ज़खर त़रती । ०००

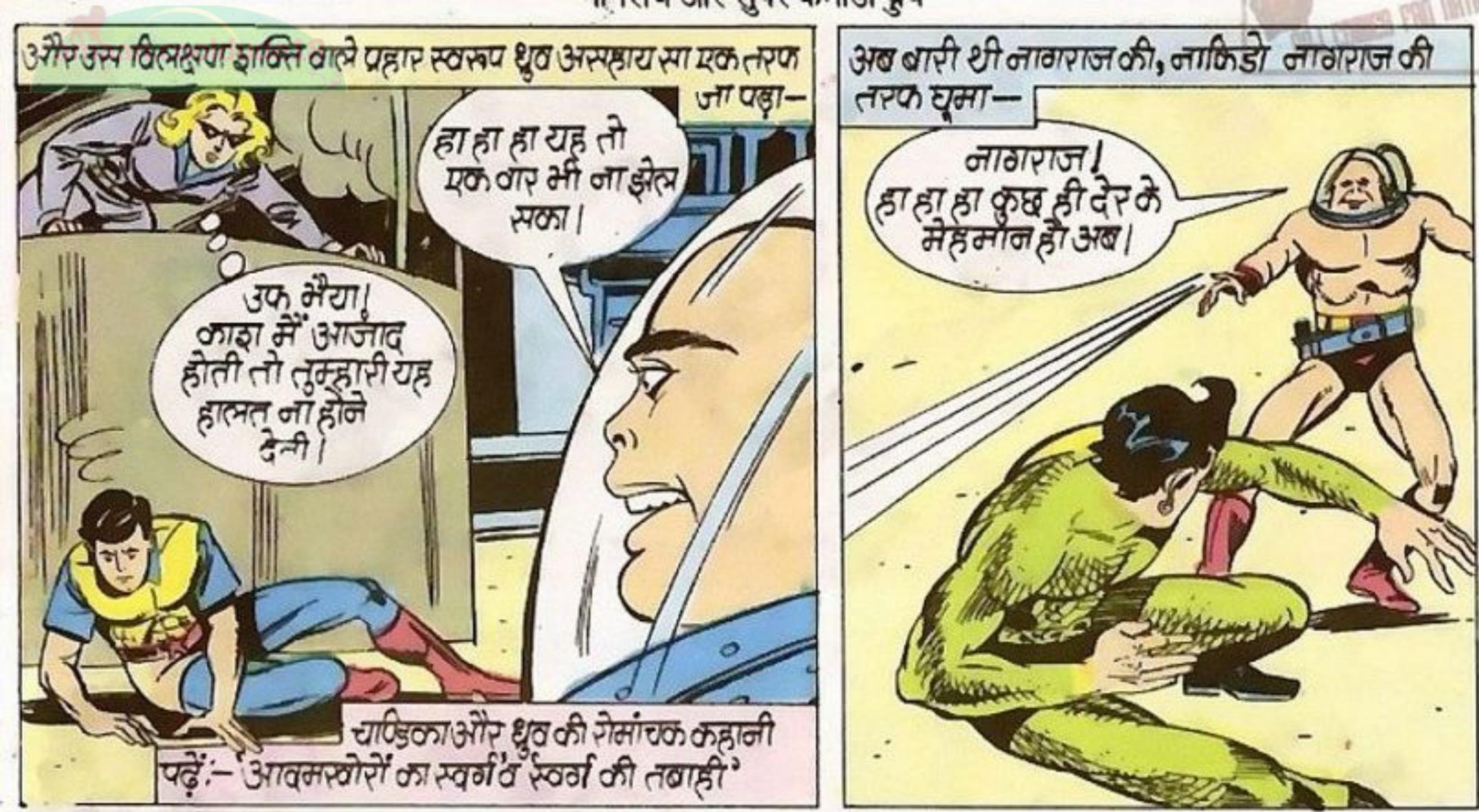
००० और फिर मैं तुम्हें ज्यादा से ज्यादा वरक्त तक उलझाए रखना चाहती थी क्योंकि इस दौरान मैंने दुनिया के कई देश उपने अक्षीय कर लिए हैं और कुछ यह भी भरता था कि कहीं तुम सब के चलकर मैं मैं सब कुछ ना बाबांधूँ। ०००

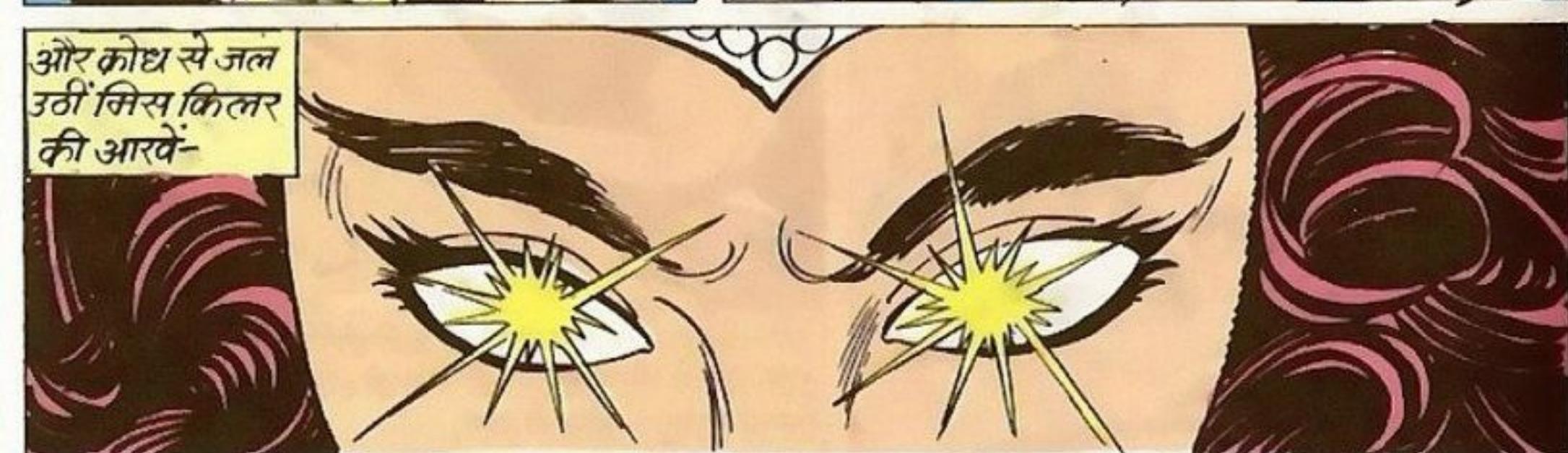
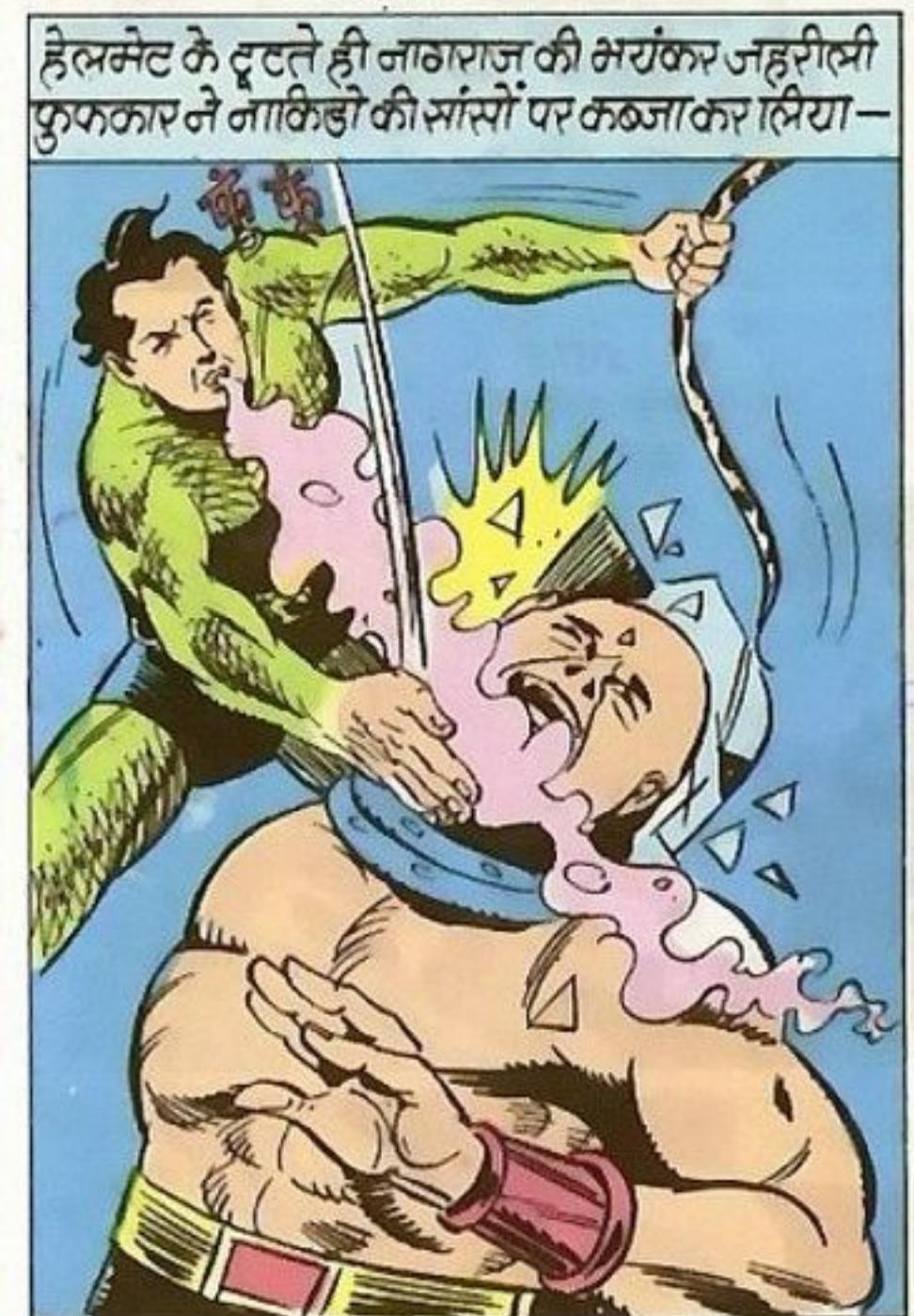


००० और अब मेरा सपना साकार होने चाहा है। उजाज भारत, कल उमेरिका यहाँ सो श्रीटेन और राशीया मेरे बुलान होंगे। किन्तु तुम यह देसरो के लिए मौजूद नहीं होगो। क्योंकि ऐजर मानव नाकिडो तुम दोनों को और यह गीस चैम्बर जिसमें इन सभी सुण्ड मानवों की सुण्ड छान्तियाँ मृत हैं, इनको उजाज स्वतंत्र कर देगा। हा हा हा।











अपनी इस असफलता से भुरी तरह उफन उठी  
मीझ किलर—

और नागराज पर  
प्रबल्हारी किरणों  
का ठार—

मीस किलर की शक्तियों से नागराज  
की परीदा—

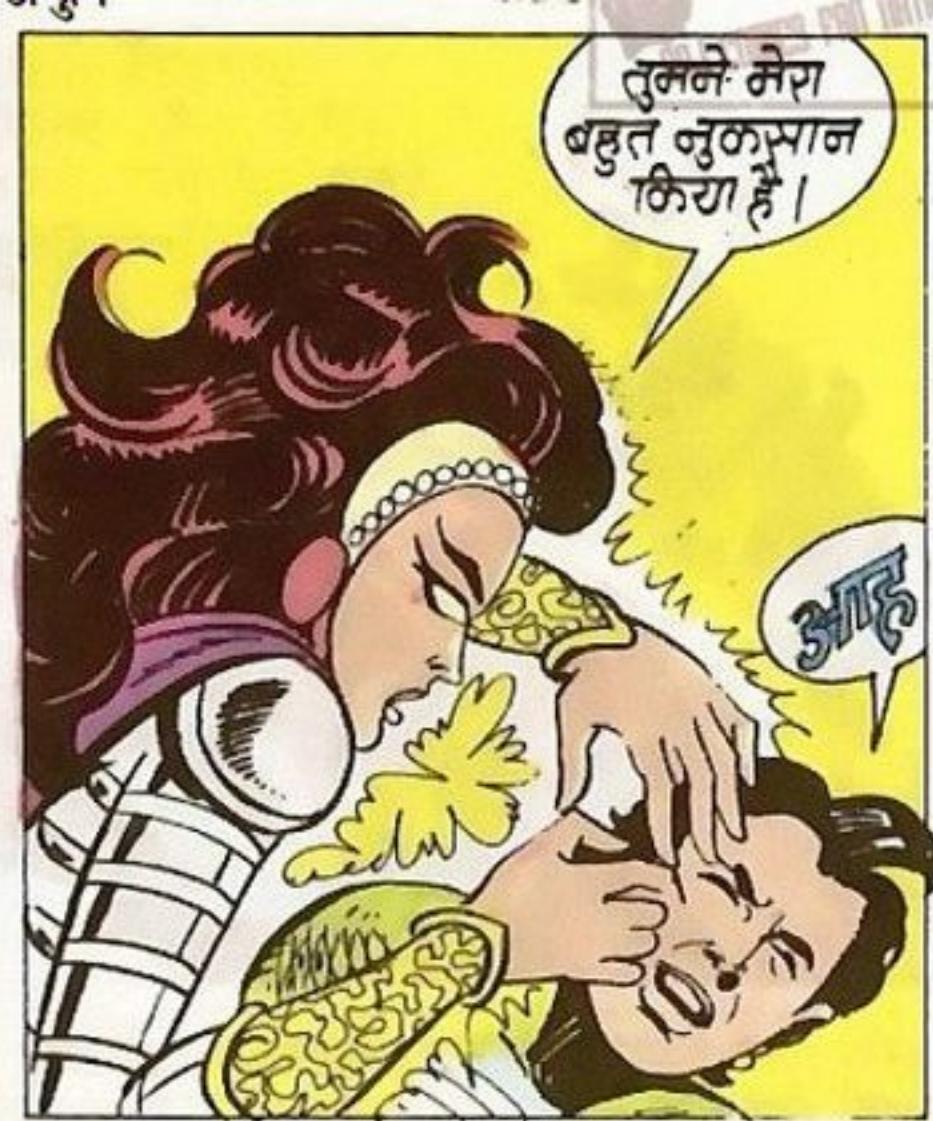
मीस किलर!

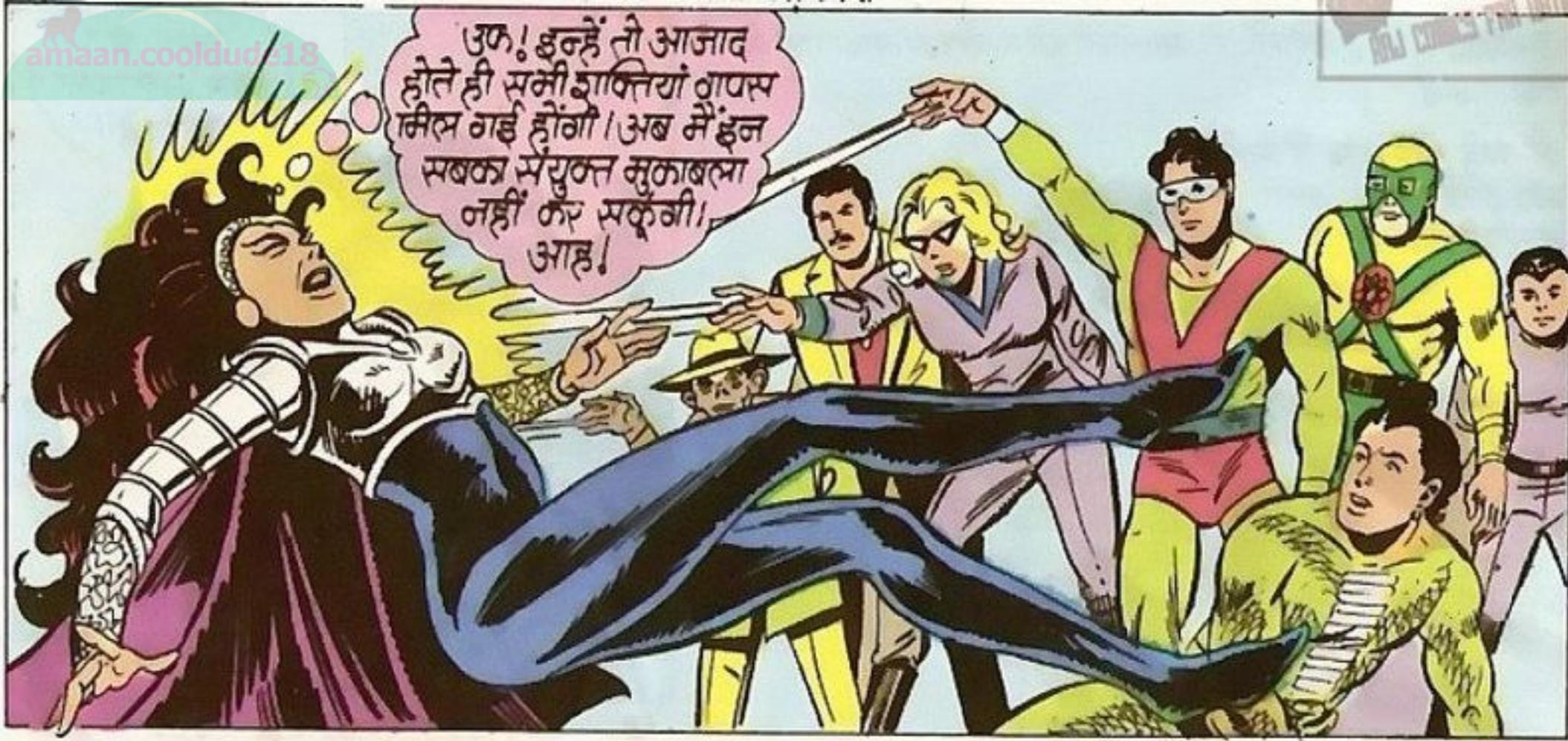
नागराज का जीवन मानवता  
जो समर्पित है। किन्तु तुम  
जैसे अपराधी मुझे आसानी  
में नहीं पछास कते।



अपना ठार असफल होते देख मीस किलर ने रूप बदला—





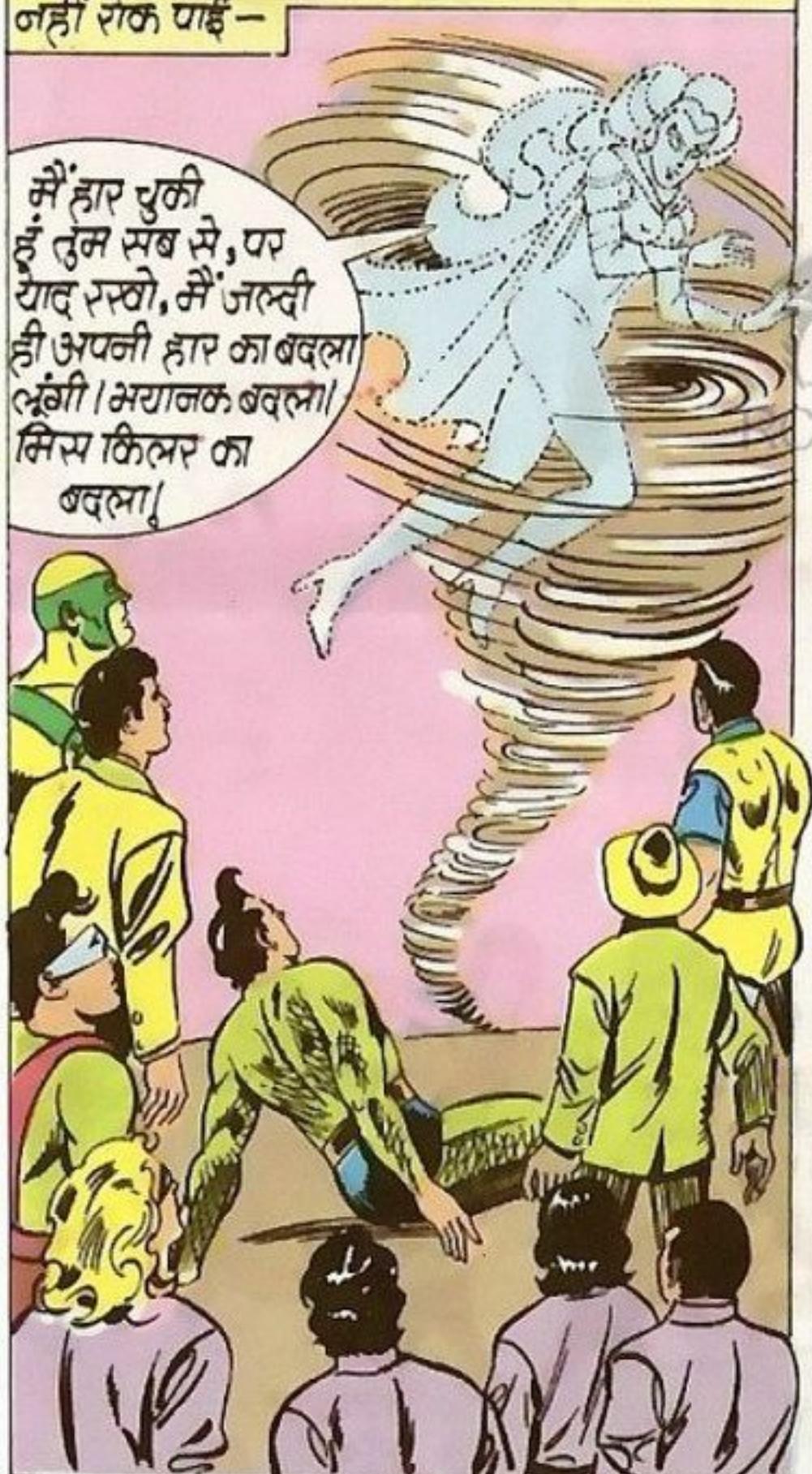


और किए रे सुपर शक्तियां मिस्स किलर को और नहीं रोक पाई—

मैं हार चुकी हूँ तुम सब से, ए याद रखो, मैं जल्दी ही उपनी हार का बदला लूँगी। भयानक बदला। मिस्स किलर का बदला!

अब किलर फोर्ट ए सुपर मानवों का गवांथा—

नारायण! अब हमें तुरन्त ही जिक्र छलना चाहिए। हमने यहां ए टाइम बम सेट कर दिये हैं। जो कि एच मिनट बाद किलर फोर्ट को तबाह कर देंगे।





ओैर फिर एक दिन यह सभी शामिल हों फिर मिलीं राजनगर स्टेडियम में अपने चाहने गए सभी दोस्तों से, किन्तु इस बार कोई दुर्घटना नहीं हुई और वह था एक टॉप शो।

समाप्त